सामर्थी परमेश्वर हमारे सामने बेपर्दा हुआ

यहां थोड़े वचन लिखे हुए है, जिनसे कि मैं आपसे बोलना चाहता हूं, और मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर हमारे दुर्बल यत्नों को आशीषित करेगा।

2 अब, बहुत से लोगों को आश्चर्य हुआ कि हम क्यों इतने शोर मचाने वाले और अजीब से क्यों हैं। आप जानते हैं, यह भिन्न प्रकार की—की बेदारी सभा है, उससे भिन्न जिसे लोग देखने के आदि है—है। और, अधिकतर, हर चीज एक तरह से अधूरी और सूखे प्रकार की होती है। परन्तु जब हम इन बेदारी सभाओ में आते हैं, जो की बहुत वर्षों से मेरा सौभाग्य रहा है, जब से इन्होने आरंभ किया था, और शायद हम नहीं भी जानते कि हम क्या करने जा रहे हैं। हम केवल आते है और अपने आप को समर्पित करते हैं। केवल यही चीज है जो हम करना जानते हैं। और परमेश्वर बाकी सब करता है। इसलिए यह हमें विशेष प्रतिक्रिया करने वाले लोग बना देता है।

3 उस दिन, किसी ने कहा, "आप जानते हो, कि वास्तव में आप लोग अनोखे लोग हो।"

और मैंने कहा, "ठीक है, मैं—मैं मानता हूं कि हम है।"

4 और मुझे याद है कि एक बेदारी सभा हुई थी। वह एक छोटा जर्मनी के भाई ट्रॉय मुझे एक बार बता रहे थे, उसने कहा कि उसने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया है। और अगले दिन, उस दुकान में जहां वे काम कर रहे थे, उन्होंने अपने हाथ उठा लिए होगे और प्रभु की महिमा कर रहे होंगे, और अन्य भाषाओं में बोले होगे और बस महिमा कर रहे होंगे। और अत:, मालिक आया और बोला, "हेनी, तुम्हे क्या हो गया है? "

5 उसने कहा, "ओह, मैं बचा लिया गया।" उसने कहा, "मेरा ह्रदय आनंद से उमड़ रहा है।"

6 उसने कहा, "अच्छा तुम अवश्य ही, वहां उन नट्स या पागल लोगो के झुण्ड में गये होंगे।"

7 उसने कहा, "हां। परमेश्वर की महिमा हो!" कहा, "नट्स के लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो।" उसने कहा—उसने कहा, "आप आने वाले वाहनों को लीजिए, सड़क पर आ जाये।" कहा, "आप उसमें से सारे नट्स को निकाल दे, तो आपके पास लोहे के 'कबाड़' को छोड़ और कुछ नहीं बचेगा।'" और यह बस... यह बात बिल्कुल ठीक है, आप जानते है।

8 एक दिन, कैलिफोर्निया में, मैं लॉस एंजिल्स की सड़क पर जा रहा था, और मैंने देखा एक व्यक्ति की छाती पर *यहां* कुछ बोर्ड में लिखा हुआ था। और लिखा हुआ था कि, "मैं मसीह के लिए मूर्ख हूं।" और हर कोई उसकी ओर देख रहा था। और मैंने उन्हें देखा कि जब आगे निकल जाता था तो वे उसे घूम–घूम कर देख रहे थे। और मैंने सोचा कि मैं उन लोगों के तरह उसे मुडकर देखूं। और... उसकी पीठ पर लिखा था, "आप किसके लिए मूर्ख है? " जी हां। मैं मानता हूं आप जानते है एक प्रकार से हम एक दूसरे के लिए अजीब है।

9 परन्तु, आप देखिए कि संसार पहिए के एक ऐसे चक्कर में फंस गया है कि कोई भी भिन्न वस्तू उसे इतना अजीब बना देती है, जब तक की लोग यह ना सोच ले कि इस में कही कुछ गडबड़ी है। और अधिकतर परमेश्वर लोगो के लिए कुछ ऐसा असामान्य करता है, कि लोग फिर से बाईबल की ओर वापस जाये।

10 मैं कल्पना कर सकता हूं कि नूह उस वैज्ञानिक युग में जिस में वह रह रहा था एक—एक प्रकार का नट्स या पागल था, क्योंकि उनके वे वहां सिद्ध कर सकते थे कि आकाश में पानी नहीं है। परन्तु परमेश्वर ने कहा कि वहां कुछ थोड़ा है। इसलिए, नूह, प्रचार कर रहा था और उसका विश्वास कर रहा था, और वह एक पागल बन गया।

11 और मैं यह कल्पना करता हूं कि जब वहां मूसा मिस्र में गया, तो वह एक—एक प्रकार से फिरौन के लिए पागल था। लेकिन याद रखे, फिरौन भी उसके लिए एक पागल था। इसलिए वे... हम यह अनुभव करते हैं।

12 यहां तक की यीशु को एक नास्तिक समझा गया। यह ठीक बात है। मार्टिन लूथर रोमन कैथोलिक कलीसिया के लिए एक पागल था। और जॉन वैसली एंग्लिकन के लिए एक पागल था। इसलिए, आप जानते हैं, कि यह—यह समय दूसरे पागल लोगो के लिए है। क्या आप ऐसा नहीं सोचते? परन्तु, पहले इससे की पागल या नट हो, आप जानते हैं, कि

पहले बोल्ट होना चाहिए, जिसकी चूड़ी से चूड़ी मिलती हुयी हो।

13 इसलिए, आप जानते हैं, नूह, एक पागल होने पर, वह... एक पागल या नट को लीजिए, यह अगले याने बोल्ट को खींचता है, किसी चीज को पास पास खींचता है, और दोनों को एक साथ रोके रहता है। इस, नूह नट होने के कारण इस योग्य था, कि जो उस पानी के जहाज पर विश्वास करेगा तो वह उसे न्याय में से खीच निकालेगा।

14 हम पाते हैं कि, मूसा ने नट होने पर कलीसिया को मिस्र से बाहर निकाला। यह ठीक बात है।

15 मैं सोचता हूं हमें एक नट की आवश्यकता है, जो दुल्हन को कलीसिया से बाहर खींचे। अब हमें कुछ चाहिए एक और, इसलिए हम बहुत ही भिन्न प्रकार के लोग हैं। और आज रात्री, मैंने सोचा यदि प्रभु की इच्छा होगी, तो मैं कुछ जो इससे संबंधित बात है पढ़ने का यत्न करूंगा, और आपसे थोड़े से क्षणों के लिए बोलुगा, और दिखाने का यत्न करुगा कि हम क्यों इस तरह के अजीब लोग हैं।

16 हम वचन में, फिलिप्पियों का 2रा अध्याय, 1–8 निकाले, और दूसरा कुरन्थियों 3:6। और हम आइये इसे पढ़ेगे, जैसा कि हम परमेश्वर के वचन पर विश्वास करते हैं।

17 और अब, इससे पहले कि हम इसे पढ़ें, आइए हम अपने सिरो को प्रार्थना में झुकाये।

18 अनुग्रहकारी स्वर्गीय पिता, वास्तव में आज रात्री हम विशेषाधिकार प्राप्त लोग हैं, कि इस युग में रह रहे है, और जो चल रहा है उन चोजों को देखते है, और यह जानते है कि समय समाप्त होने पर है, जब यीशु अपनी कलीसिया के लिए आएगा। ओह, प्रभु हमारे ह्रदय उत्तेजना से भर जाते है, प्रभु! और आज रात्री जैसा कि हमने इन पन्नो को उलटा हैं, हम प्रार्थना करते हैं कि इस मूल पाठ में से हमे विषय को देना। और होने दे कि पवित्र आत्मा हमारे ह्रदय में उन चीजों को प्रगट करे जो कि परमेश्वर के लिए अच्छी और आनन्द दायक हो। क्योंकि यह हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

19 आप जानते हैं, विश्वास करता हूं मैं आपसे कुछ करने के लिए कहूंगा। मैं—मैं अक्सर कुछ अजीब चीजे मांगता हूं, और मुझे आशा है कि मैं कोई बहुत ही अजीब चीज नहीं मांग रहा हूं। परन्तु जब हम झंडे से राज्य निष्ठा

की शपथ लेते हैं, तो हम सब खड़े होते हैं। और—और झंडा वहां पर से होकर गुजरता है, हम खड़े होते हैं; जो कि हमें करना चाहिए। खड़े हो जाए, सलामी के लिए। आइए हम अपने पैरों पर खड़े हो जाये, जबकी हम वचन पढ़ रहे हैं, यदि आप चाहे तो दूसरा कुरन्थियों 3:6 निकाले।

जिसने... हमें नई वाचा के सेवक होने के योग्य भी किया; शब्द के सेवक नहीं, वरन आत्मा के: क्योंकि शब्द मारता है, और आत्मा जिलाता है।

और यदि—और यदि मृत्यु की यह वाचा जिसके अक्षर, पत्थरों पर खोदे गए थे, *यहां तक तेजोमय हुई, कि मूसा के मुह पर के तेज के कारण जो घटता भी जाता था इस्त्राईल; उसके मुंह पर दृष्टी नही कर सकते थे*:

तो आत्मा की वाचा और भी तेजोमय क्यों ना होगी?

क्योंकि जब दोषी ठहरानेवाली वाचा तेजोमय थी, तो धर्मी ठहरानेवाली वाचा और भी तेजोमय क्यों न होगी।

और जो तेजोमय था, वह भी उस तेज के कारण *जो उससे बढ़कर तेजोमय था कुछ तेजोमय न ठहरा।*

क्योंकि जब वह जो घटता जाता जाता था तेजोमय था, तो... वह *जो स्थिर रहेगा और भी तेजोमय क्यों न होगा।*

इसलिए ऐसी एक आशा रखकर हम साहस के साथ बोलते हैं।

और मूसा के समान नही, जिसने अपने मुंह पर परदा डाला था, ताकि इस्त्राईल की संतान उस घटने वाले तेज के अन्त की ओर न देख सके:

परंतु वे मतिमन्द हो गए: क्योंकि आज तक पुराने नियम के पढ़ते समय उनके ह्रदयो पर वही परदा पड़ा रहता है; पर वह मसीह में उठ जाता है।

और आज तक जब कभी मूसा की पुस्तक पढ़ी जाती है, तो उनके ह्रदय पर परदा पड़ा रहता है।

और आज तक जब कभी मूसा की पुस्तक पढ़ी जाती है, तो उनके ह्रदय पर परदा पड़ा रहता है। नहीं...

प्रभु तो आत्मा है: और जहां कही प्रभु का आत्मा है, वहां स्वतंत्रता है।

परन्तु जब हम सब के उघाड़े चेहरे से प्रभु का प्रताप इस प्रकार प्रगट होता हैं, जिस प्रकार दर्पण में तो प्रभु के द्वारा जो आत्मा है हम उसी तेजस्वी रूप में अंश–अंश कर के बदलते जाते है।

20 और फिलिप्पियों 2 में, हम यह पढ़ते हैं, 1ले पद से आरंभ करके, और 8वें पद तक।

अत: यदि—यदि वहां मसीह में कुछ शान्ति, और प्रेम से ढाढस,... और आत्मा की सहभागिता और कुछ करुणा, और दया है,

तुम मेरा यह आनंद पूरा करो, कि तुम एक मन रहो, एक ही प्रेम के साथ, एक मनसा रखो और *एक मन* में *हो।*

विरोध और झूठी बढाई के लिए कुछ ना करो; लेकिन दीनता से एक दूसरे को अपने से अच्छा समझो।

पर हर एक अपने ही हित की, वरन... दूसरों के हित की भी चिंता करे।

जैसा मसीह यीशु का मन था, वैसा ही तुम्हारा भी *मन हो:*

जिसने, परमेश्वर के स्वाभाव में होकर भी, परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में रखने की वस्तु ना समझा:

वरन अपने आप में ऐसा शून्य कर दिया, और एक दास का स्वरूप धारण किया, और मनुष्य की समानता में हो गया:

और एक मनुष्य के रूप में प्रगट होकर, और अपने आप को दीन किया, और यहाँ तक आज्ञाकारी रहा, कि मृत्यु, हां, क्रूस की मृत्यु भी सह ली।

21 आइए हम प्रार्थना करें।

22 स्वर्गीय पिता, यह महान वचन जो आज रात्री आपके पवित्र लेख से पढ़े गए, इसे हमारे हृदयो में इतना वास्तविक बना दे, कि जब हम यहाँ से चले जायेंगे तो उन अमाऊस की ओर जाने वालो की तरह कहे, कहते हुए, "क्या हमारे हृदय अन्दर ही अन्दर उत्तेजित ना हुए जब वह मार्ग में हम से बातें करता था? " यह हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

आप बैठ सकते है।

23 अब, यह कुछ विचित्र मुलपाठ है, परन्तु मैं सोचता हूं कि इस अवसर के लिए यह बहुत ही उपयुक्त है। मैं जिस विषय पर बोलना चाहता हूं: *सामर्थी परमेश्वर हमारे सामने बेपर्दा हुआ।*

24 अब, जब से यह मनुष्य हुआ है, मनुष्य के ह्रदय में सदा से यह जिज्ञासा रही है, कि यह मालूम करे कि वह कहां से आया है, और उसके यहाँ होने का क्या कारण है, और वह कहाँ जा रहा है। केवल एक है जो इसका उत्तर दे सकता है, वह जो उसको यहां लाया है। और मनुष्य ने सदा यही चाहा कि परमेश्वर को देखे।

25 पीछे पुराने नियम में, हमने देखा की परमेश्वर ने अविश्वासियों से अपने को पर्दे में छिपा कर रखा। परमेश्वर का लोगों के साथ विचित्र व्यवहार रहा है। उसने अपने आपको अविश्वासी से छिपाया और विश्वासी पर अपने आप को प्रगट किया। परमेश्वर यही करता है। यीशु ने पिता का धन्यवाद किया, कि, उसने यह बाते बुद्धिमानो और समझदारो से छिपा कर रखी, और बालकों और ना समझो पर प्रगट की। इसलिए, हम पाते हैं कि परमेश्वर कभी भी अपना स्वभाव नहीं बदलता, और वह सदा अपना कार्य एक सा करता है। हम मलाकी 3 में पाते हैं, कि उसने कहा, "मैं परमेश्वर हूं, और मैं नहीं बदलता।" इसलिए, वह हर समय एक ही सिद्धांत पर कार्य करता है, सारे समय।

26 अब हम बाईबल की एक सबसे पुरानी पुस्तक को लेंगे। जब अय्यूब, जो अपने दिनों का धर्मी मनुष्य था, परमेश्वर की व्यवस्था में एक सिद्ध मनुष्य, एक दास, उदार, सम्मानित सेवक, यहां तक कि परमेश्वर ने भी कह दिया, "पृथ्वी पर उसके समान कोई नहीं है।" परन्तु... एक बार, उसकी इच्छा, परमेश्वर को देखने की हुई। वह जानता था कि परमेश्वर है, और उसने यह अनुभव किया कि वह उसे देखना चाहता है, या, फिर, उसके घर पर जाकर और द्वार खटखटाये, और कहे, "मैं आप से बातचीत करना चाहता हूं।" बैठ कर, उससे बातचीत करे, जैसे कि हम एक दूसरे के साथ करते है।

27 हमारे पास एक समझ है। यही कारण है कि हम इन बेदारी सभाओं में हैं, जहां हम एक साथ आकर और—और अपने विचार प्रगट करते हैं। और—और हम एक दूसरे को अच्छी प्रकार से समझते हैं, जब हम चीजो

पर एक दूसरे से बात चीत करते हैं। और सेवक ऐसा करते हैं। जीवन में हर प्रकार के लोग यह करते हैं, विषयों पर बातें करते हैं।

28 और, अय्यूब, परमेश्वर उसके लिए इतना वास्तविक था, यदि वह जाकर उसका द्वार नही खटखटा सकता था तो वह उसे पाना चाहता था, और—और उसके साथ एक—एक इंटरव्यू करे।

29 परन्तु हम पाते हैं कि परमेश्वर ने उसके साथ बाते की, परन्तु वह पर्दे में था। वह एक चक्रवात रूपी पर्दे में था। और उसने अय्यूब से कहा कि अपनी कमर कस ले; वह उससे मनुष्य की भाति बात करने जा रहा है। और वह एक चक्रवात में नीचे उतरा और—और अय्यूब से बोला। और वह चक्रवात में से होते हुए अय्यूब पर प्रगट हुआ, तब भी उसने उसे निश्चित प्रकार से नहीं देखा। वह केवल वायू के प्रवाह को सुन सका, और पेड़ों पर घूम रही थी। और चक्रवात में से आवाज आई, परन्तु परमेश्वर चक्रवात के पर्दे में था।

30 हम अफ्रीका में देखते है, दक्षिणी अफ्रीका में, वे *अमोयाह* शब्द का प्रयोग करते हैं, जिसका अर्थ है, "एक ना दिखने वाली शक्ति है।"

31 और यह ना दिखने वाली शक्ति, चक्रवात में से सुनने वाली आवाज थी। यह आवाज अय्यूब से बोली, जब की उसने उसका रूप कभी नहीं देखा था। परन्तु वह उससे चक्रवात में छिपा रहा।

32 हम बाईबल के महान भविष्यवक्ताओं में से एक को पाते है, मूसा, पुराने नियम में, परमेश्वर का एक चुना हुआ, चुनिंदा, पहले से ठहराया हुआ दास, वह भी उसे देखने की ईच्छा को रखता था। वह उसके इतना समीप था, और उसने बहुत सी बाते उसकी महान भेद भरे हाथ को जो आगे–आगे चलता था, देखा और वह चीजे जो की केवल परमेश्वर कर सकता था। एक दिन उसने उसको देखने की इच्छा की, और परमेश्वर ने उससे कहा कि, "जाकर, चट्टान पर खड़ा हो जा।"

33 और जब वह चट्टान पर खड़ा हुआ था, मूसा ने उसे जाते हुए देखा। उसने उसकी पीठ देखी। और उसने कहा, "वह मनुष्य जैसा दिखाई पड़ता है, एक मनुष्य की पीठ।" तब भी, उसने परमेश्वर को नहीं देखा। उसने केवल परमेश्वर के पर्दे को देखा।

34 बाईबल ने कहा, "किसी मनुष्य ने परमेश्वर को कभी नहीं देखा, केवल पिता के एक एकलौते पुत्र को छोड़ उसने उसे प्रगट किया।" इसलिए, मूसा

ने उसे मनुष्य के पर्दे में देखा। और हम पाते हैं कि पुराने नियम का यहोवा, बस वही नए नियम का यीशु था।

35 और—और यहां डॉ स्कोफिल्ड बाईबल में, हम पाते हैं कि, उसका शब्द, "रूप" को बदलना है। हम एक शब्द *एन मोर्फे* ग्रीक में पाते हैं, जिसका अर्थ होता है "अदृश्य जो दिखने वाला बन गया था।" कुछ ऐसा जो नहीं हो सकता... हम जानते हैं कि वह है। यह हो सकता है... ना दिखाई दे सके, परन्तु फिर भी, हम यह जानते हैं कि वह है। और जब वह अपना रूप बदलता है, *एन मॉर्फ* वाला, जिसका अर्थ है कि वह अलौकिक से स्वाभाविक में बदल गया।

36 और उसने केवल अपना मुखौटा बदल दिया, और एक प्रकार से यह नाटक की तरह है। वह अभिनय कर रहा था। ग्रीक में, जब वे अपने मुखौटे को बदलते थे, हो सकता हो एक नाटक में–... एक कलाकार ने बहुत सारी भिन्न–भिन्न भूमिकाए की होगी।

37 और मेरी बेटी, जो यहां है, उसने हाई स्कूल में एक—एक नाटक किया था। और एक लड़का जिसको मैं जानता हूं, उसने चार बार अलग–अलग भाग में भूमिका की, परन्तु वह मंच के पीछे जाता और अपना—अपना मुखौटा बदलता, दूसरे चरित्र का रूप करने के लिए बदलता।

38 अब, यदि आप पुराने नियम की भविष्यद्वाणियों को मसीह के सदर्भ में ले कि मसीह को क्या होना था, आप उसकी यीशु के जीवन से तुलना कर सकते हैं, और आपको सही में यीशु कौन था मिल ही जाएगा। वह केवल एक साधारण मनुष्य नहीं था। वह परमेश्वर था, *एन मोर्फे*। वह अलौकिक रूप से—से बदल कर स्वाभाविक मनुष्य के रूप में हो गया। जब की, वह प्रगट हुआ परमेश्वर देह में था, मनुष्य के मांस रूपी पर्दे में छिपा था।

और आप पुराने नियम को देख सकते है।

39 मैं—मैं—मैं जानता हूं कि मैं मिली –जुली सभा से आज रात्री बोल रहा हूं, संसार के विभिन्न भागों से। और हम यहां यही देखने के लिए है। हम क्या—हम क्या कर रहे हैं? हम क्या—क्या है? हम कहां जा रहे हैं? क्या घटित हो रहा है? इस सबका क्या अर्थ है?

40 और अब हम यहां पाते हैं, कि, यदि आप यहूदी पुरुष और स्त्रियां, और मन्दिरों में—में—में रब्बी लोग, उन दिनों में, जो बीत गए यदि वह बाईबल को ध्यान से पूर्वक देखते, उन भविष्यवाणियो को, ना की उन

रित–रिवाजों को, यीशु कौन था वे यह पहचान लेते। तो वे उसे कभी भी बालजबूल ना कहते। वे कभी भी उसे क्रूस पर ना चढ़ाते। परन्तु, यह सब होना ही था। यह नाटक का भाग है। और इस मामले में, वे अंधे थे।

41 आज रात्री यहां आप में बहुत से पुरुष और स्त्रियो की तरह हो सकता है, हो सकता है जो मेरी आयू या उससे थोड़े अधिक हो। आपको याद है, यहां अमेरिका में, कुछ वर्षों पहले, वे... चीनी... मेरे भाई, उनका अभी–अभी यहां परिचय हुआ है, यह मेरे मस्तिष्क में तब आया जब मैं उससे बात कर रहा था। कि वे कैसे किया करते थे... वे अंग्रेजी नहीं बोल सकते थे, और वे—वे कपड़े धोने की दुकान चलाते थे। और आप उसकी ड्राईक्लीन की दुकान पर धुलवाई करवाने जाए। वे—वे चीनी ड्राईक्लीन वाला सलग्न करने के लिए एक कागज का टुकड़ा लेगा, और उसे निश्चित ढंग से फाड़ेगा। आप कागज के टुकड़े का एक भाग को लेगे; वह दूसरे भाग ले लेगा। परन्तु जब आप अपनी चीज लेने के लिए वापस आएगे, तो उन दोनो कागज के टुकड़ों को आपस में ठीक–ठीक मिलाना होगा। और यदि वे बिल्कुल ठीक–ठीक नहीं मिल पाते है... आप किसी भी प्रकार से नकल नहीं कर सकते, क्योंकि उसके पास एक टुकड़ा है और दूसरा आपके पास। और यदि उसकी नकल हो जाती... तब आपके पास जो आपका है उसका दावा करने का अधिकार होता है। और तब जो आपका है आपको मिलता, जब उस करार नामे का दूसरा भाग आपके पास होता।

42 इसी प्रकार से, आज रात्री भी है, जब हम करार नामे का दूसरा भाग पाते है। जब, परमेश्वर ने अपने पुत्र को कलवरी पर दो भाग में फाड़ दिया, देह को बलिदान के लिए ऊपर ले गया, और आत्मा को हमारे लिए नीचे भेज दिया, जो एक समय मनुष्य, यीशु में रहा। वही परमेश्वर आज रात्री पवित्र आत्मा के रूप में, पर्दे में है। वे दोनो टुकडे पास–पास आ गए है, तब आप उस करार नामे का भाग हैं। परमेश्वर ने यह मनुष्य को अच्छी प्रकार से सिखाने के लिए किया, जब उसने अपने आपको मनुष्य बनाया।

43 कुछ वर्षो पहले मैं एक कहानी पढ़ रहा था। और इस कहानी में, यह बताया गया था कि, एक महान, उदार राजा... मैं अभी–अभी उसका नाम भूल गया। मैं कहानी बताने के विषय में नहीं सोच रहा था। हो सकता है, यह काल्पनिक कथा है, परन्तु यह हमें उस स्थान पर ले जाएगी जहां से हमें वह भूमिका मिल सके जो हम कहना चाहते हैं। यह राजा, इतना

उदार था, और अपनी प्रजा से इतना प्रेम करता था, यहां तक कि, एक दिन, पहले उसका—उसका रक्षक और उसकी राजसत्ता के सामने, उसने कहा, "आज, तुम मुझे बहुत वर्षो के लिए अंतिम बार, देख रहे हो।"

44 और उसके रक्षक और उसके रत्नों ने उससे कहा, "भले राजा, आप ऐसा क्यों कह रहे हो? क्या आप विदेश जा रहे हो कि कहीं परदेसी हो जाओ? "

45 उसने कहा, "नहीं। मैं यही पर हूं। तो, " कहा, "मैं अपनी प्रजा के बीच में से जा रहा हूं। मैं किसान बनने जा रहा हूं। मैं कुल्हारी से लकड़ी काटने जा रहा हूं। मैं कठोर परिश्रम से भूमी जोतने जा रहा हूं। मैं उन लोगों के साथ दाखलताए छांटने जा रहा हूं जो दाखलता छांटते हैं। मैं उनमें से एक होने जा रहा हूं, ताकि अच्छी तरह से जान सकू कि वे क्या कर रहे है। और मैं उनसे प्रेम करता हूं। और मैं व्यक्तिगत रूप में उन्हें अधिकाई से जानना चाहता हूं। वे मुझे नहीं जान पाएंगे। परन्तु, फिर भी, मैं इस प्रकार से उनके साथ परिचित होना चाहता हूं।"

46 और अगली प्रात:, जब उसके प्रतिनिधि, उसके सब लोगों ने उसे देखा, या उन्होंने जो उसके महल में थे, अपना ताज उतार कर और उसे अपनी गद्दी पर रख दिया, सिंहासन पर; और अपने कपड़े उतार कर, और किसान के कपड़े पहन कर, और साधरण लोगों के बीच में चला गया।

अब, उस छोटी सी कहानी में, हम परमेश्वर के विषय में पाते हैं।

47 उन्होंने राजा से कहा, कहा, "राजा, हम आपको चाहते हैं। हम आपसे प्रेम करते हैं। हम—हम चाहते हैं कि आप राजा ही बने रहे।" परन्तु वह उनमें से एक बनना चाहता था, कि उन से और अच्छी तरह से जान पहचान करे, ताकी वे उसे भली भांति जान पाए कि, वास्तव में वह क्या था। यह उन्हें यह दर्शाएगा कि वह वास्तव में क्या था।

48 और यही परमेश्वर ने किया। उसने—उसने स्वयं को यहोवा परमेश्वर से बदल हम में से एक बन गया, ताकि वह दु:ख उठाए, और मृत्यु का स्वाद चख सके, वह यह जान सके की मृत्यु का डंक क्या था, और मृत्यु की सजा अपने ऊपर ले ले। उसने अपना—अपना ताज एक ओर रखा और अपने कपड़े, और हम में से एक बन गया। उसने दीनता के साथ—के साथ—उसने पैर धोए। वह निर्धनों के साथ तम्बुओं में रहा। वह उन के साथ जो अभागे थे उन—उन जंगलो में और सड़को पर सोया। वह हम में

से एक हो जाता है, ताकि हमें भली भांति समझ सके, और ताकि हम उसे अच्छी तरह से समझ सके।

49 अब, मैं सोचता हूं, इसमें, हम यह पाते हैं, कि अपने रूप को बदलने में उसने क्या किया। यदि आप ध्यान देंगे, कि वह तीन पुत्रों के नाम में आया। वह मनुष्य के नाम में आया, और परमेश्वर के पुत्र के, और दाऊद के पुत्र के। वह मनुष्य के पुत्र के समान आया।

50 अब, यहेजकेल 2:3 में, यहोवा, स्वयं, यहेजकेल, भविष्यवक्ता को, "मनुष्य का पुत्र" कहा।

51 *मनुष्य के पुत्र* का अर्थ "एक भविष्यव्यक्ता है।" उसे इसी प्रकार ही आना था, कि व्यवस्थाविवरण 18:15 को पूरा करे, जो कि मूसा ने कहा था, "कि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे बीच से मुझ जैसा एक भविष्यद्वक्ता उठा कर खड़ा करेगा।" उसने कभी भी अपने आपको परमेश्वर का पुत्र नहीं कहा। उसने स्वयं को, "मनुष्य का पुत्र," करके उल्लेख किया, क्योंकि उसे पवित्र शास्त्र के अनुसार आना था। समझे? उसे कागज के वे दो फटे टुकडे बनाना था, पुराने नियम की भविष्यवाणी और उसका स्वयं का चरित्र, बिल्कुल एकसा होने के लिए। इसलिए, वह मनुष्य का पुत्र बनकर आया, उस रूप में आया।

52 तब उसकी मृत्यु, गाडे जाने और पुनरुत्थान के बाद, हम पाते हैं, वह पेंटीकोस्ट के दिन परमेश्वर के पुत्र की तरह आया; परमेश्वर, वह आत्मा, पवित्र आत्मा के रूप में। वह क्या कर रहा था? वह अपने आप को बदल रहा था, अपने लोगो को अपने आपसे भिन्न रूप में परिचित करा रहा था। जैसे, कि पवित्र आत्मा, जो कि परमेश्वर है, वह कलीसिया कालो में परमेश्वर का पुत्र के समान व्यवहार करने आया, पवित्र आत्मा।

53 परन्तु, उन हजार वर्षो के राज्य में, वह दाऊद के पुत्र के समान, दाऊद के सिंहासन पर बैठने के लिए आता है, राजा। उसे दाऊद के सिंहासन पर होना ही है। इस समय वह पिता के सिंहासन पर है। और तब उसने कहा, "वह जो जय पाए, मेरे साथ मेरे सिंहासन पर बैठेगा, जैसे मैं जय पाकर अपने पिता के सिंहासन पर बैठ गया।" इसलिए, वह हजार वर्ष के राज्य में, दाऊद के सिहांसन पर होगा। यह क्या है? वही परमेश्वर, सारे समयो में, अपने—अपने मुखौटे को बदल रहा है।

मैं अपनी पत्नी के लिए, एक पति हूं।

54 क्या आपने ध्यान दिया? सरुफिनी स्त्री ने कहा, "तू दाऊद के पुत्र, दया कर।" उसने, उसकी बिल्कुल परवाह नहीं की। उसको उसे यह कहने का अधिकार नहीं था। उसका उस पर कोई अधिकार नही था कि उसे दाऊद का पुत्र कह कर पुकारे। वह था... वह यहूदियों के लिए दाऊद का पुत्र था। और अब वह आता है... परन्तु जब उसने उसे "प्रभु" कहकर पुकारा, वह उसका प्रभु था, तब उसने वह पाया जो उसने मांगा था।

अब, जैसे, कि वह केवल अपने आप को बदल रहा था।

55 अब, मैं अपने घर के अन्दर, मैं तीन तरह का व्यक्ति हूं। मेरे घर में, मेरी पत्नी का मुझ पर पति की तरह अधिकार है। मेरी पुत्री जो वहां है, उसका मुझ पर पति के समान का कोई अधिकार नहीं है; मैं उसका पिता हूं। और मेरा छोटा पोता वहां है, मैं उसके लिए दादा हूं, इसलिए उसका कोई दावा नहीं कि मुझे पिता कहकर पुकारे। मैं उसका पिता नहीं हूं। मेरा पुत्र उसका पिता है। मैं उसका दादा हूं। परंतु फिर भी मैं एक ही व्यक्ति हूं।

56 और परमेश्वर, वह क्या करता है, वह केवल अपने को बदलता है, उस पीढ़ी का बन जाता है कि अपने आपको उन लोगों से परिचित कराए। और यही है जो की आज रात्री हम ढूढ रहे हैं। कि किस प्रकार से परमेश्वर को अपने आप को इन लोगों से परिचित कराता है और इस समय में? वह अपना मुखौटा बदलता है, वह अपने कार्य को बदलता है, परन्तु वह अपनी प्रवृत्ति नहीं बदलता। वह अपना—अपना स्वभाव नही बदलता। वह केवल एक से दूसरे मुखौटे को बदलता है। वह अपने आप को लोगों पर साधारणता में प्रगट करने के लिए, ऐसा करता है ताकि वे जान सके कि वह कौन है, और वह क्या है।

57 इब्रानियों 1 में, हम पढ़ते हैं, "पूर्व युग में परमेश्वर ने बाप दादो से थोड़ा–थोड़ा करके और भांति–भांति से भविष्यवक्ताओं के द्वारा बातें करके, परन्तु इन अंतिम दिनों में अपने पुत्र, यीशु के द्वारा।"

58 अब, "वे भविष्यवक्ता," यीशु ने कहा, जब वह इस धरती पर था, उसने कहा, "वे ईश्वर है। तुमने उनको 'ईश्वर' कहा, जिनके पास परमेश्वर का वचन आया। और पवित्र शास्त्र लोप नहीं हो सकता," उसने कहा। कहा, "तो फिर तुम उसे कैसे दोषी ठहरा सकते हो, जब वह परमेश्वर का पुत्र है?" समझे?

59 परमेश्वर का वचन हर युग के लिए ठहराया गया, ये जो होना है। और

यीशु हर एक भविष्यवाणी का पूरक था। "उसमें परमेश्वरत्व की परिपूर्णता सदेह वास करती है।" वह उसमें था। वही वह एक था जो यूसुफ में था। वही वह एक था जो एलिय्याह में था। वही वह एक था जो मूसा में था। वही वह एक था था जो दाऊद में था, एक अस्वीकार किया गया राजा।

60 उसके अपने लोगों ने उसको राजा होने के लिए अस्वीकार किया। और जैसे ही वह बाहर निकला, उस आंगन से—से, एक छोटा, पीड़ित व्यक्ति इधर–उधर खीचडते हुए, उसकी—उसकी सरकार, को ना पसंद किया, उसकी कार्य पद्धति को, और उसने उस पर थूका। और रक्षक ने अपनी तलवार खींची, कहा, "क्या यह जो मेरे राजा पर थूक रहा है मैं इस कुत्ते का सिर इस पर रहने दूं? "

61 और दाऊद, हो सकता है अनुभव नहीं कर सका कि वह उस समय क्या कर रहा है, परन्तु वह अभिषेकित था। और उसने कहा, "उसे जाने दो। परमेश्वर ने उससे यह करने को कहा।" और वह पहाड़ पर चढ़ गया और यरूशलेम पर रोया, एक अस्वीकार किया गया राजा।

62 क्या आपने ध्यान दिया? कि उससे कुछ सैकड़ो वर्ष पहले, दाऊद के पुत्र को सड़क पर उसके मुंह पर थूका गया, और पहाड पर था, उसी पहाड़ पर, नीचे सामने यरूशलेम को देख रहा है, एक अस्विकृत राजा। और रोया, "यरूशलेम, कितनी बार मैंने चाहा कि जैसे मुर्गी अपने बच्चो को पंखो तले छिपा लेती है, तुझे छिपा लू, पर तू ने ना चाहा!"

63 उसने कभी भी अपना स्वभाव नहीं बदला, क्योंकि इब्रानियों 13:8 ने कहा, "वह कल, आज और सदा एक सा है।" परमेश्वर देहधारी हुआ था, ताकि हमे हमारे पापो से छुड़ाने के लिए मरे। इसी कारण उसने अपने आप को एक—एक मनुष्य होने के लिए बदला।

64 संत यूहन्ना 12:20 में हम देखते हैं, यूनानियों ने उसके विषय में सुना। अब, कभी कोई व्यक्ति ऐसा नही हुआ कि उसके विषय में सुना हो और उसे देखने के लिए उसके ह्रदय में उत्तेजना ना हो। जैसे कि अय्यूब और पुराने नियम के भविष्यद्वक्ता, वे सब उसे देखना चाहते थे। इसलिए, यह यूनानी उससे मिलने के लिए आया। वे फिलिपुस के पास आए, जो बेतसैदा का था, और कहा, "श्रीमान, हम यीशु से मिलना चाहते है।"

65 यूनानी उससे मिलना चाहते थे, परन्तु वे उसे देखने में असक्षम थे क्योंकि वह मंदिर में अपनी मानवता के स्वभाव में था। "परमेश्वर मसीह

में संसार को अपने में मिला रहा था।" अब हम इसमें पाते हैं कि ये यूनानी लोग उसे ना देख सके।

66 और उन्हीं शब्दों पर ध्यान दें जो यीशु ने उनके लिए बाद कहे। उसने कहा, "जब तक गेहूं का दाना भूमी में पड़कर और मर नहीं जाता, वह अकेला रहता है।" दूसरे शब्दों में, वे कभी भी उसके बदले हुए मुखौटे में जिसमें वह तब था देखने में सदा अयोग्य थे, क्योंकि वह मानव देह के पर्दे में था। परन्तु जब वह गेहूं का बीज भूमी में गिरा, तब वह सारे वंशो को ले आता है। उस समय व्यवहारिक तौर पर वह यहूदियों के लिए भेजा गया। परन्तु इस गेहूं के दाने को गिरना ही था; परमेश्वर मनुष्य की देह के पर्दे में था अविश्वासियों से छिपा हुआ, परन्तु विश्वासियों पर प्रगट हो रहा था।

67 यूहन्ना 1 में, "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ, और हमारे बीच रहा, और हमने उसे देखा, जैसे पिता के एकलौते पुत्र की, अनुग्रह से परिपूर्ण।" अब, आदि में वचन था। प्रगट किया गया विचार एक वचन है।

68 आदि में, वह परमेश्वर नहीं था। अब, आज हमारा अंग्रेजी का शब्द, *परमेश्वर* का अर्थ "आराधना की एक वस्तु है।" यह मस्तिष्क के लिए कितना उलझाने वाला है। आप किसी को भी ईश्वर बना सकते हैं। आप किसी भी वस्तू का ईश्वर बना सकते हैं।

69 परन्तु पुराने नियम में, उत्पत्ति 1 में, "आदि में *परमेश्वर* ने," एलोहीम शब्द का प्रयोग किया गया है। *एलोहीम* का अर्थ, "स्वयं अस्तित्व में रहने वाला।" एलोहीम शब्द में कितना अन्तर है, हमारे परमेश्वर शब्द से। एलोहीम का अर्थ, "स्वयं अस्तित्व में रहने वाला।"

70 हम स्वयं से अस्तित्व में नहीं हो सकते। हम सर्वशक्तिमान, अनन्त शक्ति, सर्वव्यापी, सर्वज्ञाता नहीं हो सकते। वह एलोहीम इस सब को प्रगट करता है। हम वह नहीं हो सकते। वह वृक्ष जिसको आप ईश्वर बनाते हैं, या—या भवन को, यह स्वयं से अस्तित्व में नहीं है।

71 इसलिए, परमेश्वर, आदि में, जीवन था, वो एक जो अनन्त है। उसमें गुण थे, और वे गुण वचन बन गए, और वचन देह बन गया। यीशु छुड़ाने वाला था। और *छुड़ाने* का अर्थ है, "वापस लाना।" और यदि उसे इसे वापस लाना है, तो वह कहीं तो होना चाहिए था कि वापस लाया जाए।

इसलिए, आप देखे, सारे लोग इसे कभी नहीं देख पाएंगे, क्योंकि सब लोग आदि में परमेश्वर के विचारों में नहीं थे। समझे?

72 उन याजको को देखिए। जब उन्होंने उसे देखा कि उसने स्वयं को ठीक वचनानुसार प्रगट किया हैं, जो कि वह था, उन्होंने कहा, "यह बालजबूल है।" इस बात ने दिखाया कि उनका स्वभाव कहां था। वह उस दिन के आधुनिक विचार में था।

73 परन्तु जब वह छोटी वेश्या, जिससे उसकी भेट फाटक पर हुई थी, और उसे बताया, अपने मसीहा के चिन्ह को व्यक्त किया, उसने क्या किया है यह बता कर प्रगट किया। "क्यों," उसने कहा, "श्रीमान, मुझे प्रतीत होता है कि तू एक भविष्यव्यक्ता हैं। हम जानते हैं, जब मसीहा आएगा, तो वह हमें सारी बाते बता देगा।" वह उसे मसीह के रूप में पहचान रही थी, वह अभिषिक्त किया हुआ, क्योंकि वह वचन की योग्यता को पूरा कर रहा था। क्या आप नहीं देखते? कि कागज के दोनो टुकड़े पास–पास आ रहे है। वह, "हम यह जानते हैं, जब मसीहा आता है।"

74 अब, हो सकता है परमेश्वर ने *इसे* मिश्रित किया था और *उसे* निश्चित घंटी की आवाज निकालनी थी, एक ढालने वाले के समान। परन्तु जब यीशु घूमा, और बोला, "मैं वही हूं जो तुझ से बोल रहा हूं," वहां कोई "बालजबुल" जैसा व्यक्त करना नही था। उसने अपना पानी का बर्तन छोड़ा और नगर को दौड़ गयी, और कहा, "आओ, देखो एक मनुष्य उसने मुझे वह सब बता दिया जो मैंने किया था। क्या यही तो वह मसीहा नहीं है? " समझे?

75 अब, यह क्या हुआ? पुराने पवित्र वचन को अनुभव के साथ मिला दिया, यही—यही यीशु उसे दे रहा था, इसने क्या किया है? इसने इसे मसीह बनाया। और क्या आपने ध्यान दिया? तुरंत, उसके पाप क्षमा हो गए, क्योंकि आरंभ में, वह छुड़ाए जाने योग्य थी, क्योंकि आदि में वह परमेश्वर के विचारो में थी। इसलिए, इसने उसे छुड़ा लिया, या उसे वापस ले आया, जब उसने पवित्र वचन को प्रगट होते देखा, यहोवा द्वारा प्रगट किया हुआ, कि वह क्या था, वह क्या है।

76 अब, जब यीशु आता है, यदि वह नूह के संदेश के साथ आता, तो वह काम नहीं करता, एक जहाज बनाकर, तैराने के लिए, यह काम नहीं करता। परन्तु वह, नूह परमेश्वर का एक भाग था। उसने अजीब ढंग से कार्य

किया, क्योंकि वह अजीब था, और उसका संदेश अजीब था, क्योंकि वह वचन था जो प्रगट हो रहा था।

77 वह मूसा के संदेश के साथ नहीं आ सकता था, क्योंकि वह काम नहीं करेगा। मूसा परमेश्वर का एक प्रगट किया हुआ भाग था। वह उस समय के लिए प्रगट किया गया वचन था, परन्तु यीशु उसमें नहीं आ सकता था। बाईबल ने कभी नहीं कहा कि वह इस प्रकार से आएगा।

78 परन्तु जब वह आया, तो बिल्कुल ठीक उसी प्रकार प्रगट हुआ तो—तो बाईबल ने कहा वह प्रगट होगा, तब वे सब जो छुड़ाने योग्य थे, इसका विश्वास किया, क्योंकि वे परमेश्वर का विचार थे। आरंभ से ही उसके गुण थे, जो देहधारी हुआ था, और छुड़ाने योग्य, और वापस परमेश्वर के पास लाया गया। "जितनो ने उसे ग्रहण किया, उनको उसने परमेश्वर के पुत्र होने का अधिकार दिया," क्योंकि वे छुड़ाए जाने के योग्य थे। वे अभिव्यक्त में आदि से थे।

79 यदि हम यहां एक क्षण के लिए रुके, यदि यह संभव है तो, और आज रात्री सोचते हैं, इस समय के सन्देश पर, यहोवा के प्रगट किए हुए विचार। "संसार की सृष्टी के पहले," हमें बताया गया कि, "हमारे नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखे हुए है।" तब हम दोनों भाग देख सकते हैं, जैसा कि मैंने पहले कहा, क्यों एक दूसरे के लिए अजीब है। यह इसी प्रकार ही होना चाहिए। यह सदा से है। यह सदा से इसी प्रकार से है, और यह सदा ही इसी प्रकार से होगा। "वह वचन था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच डेरा किया।"

80 अब, परमेश्वर... पुराने नियम के पिछले दिनों में, हम यह पाते हैं कि इसके पश्चात वह अपने लोगों पर, विभिन्न रूपों में, प्रगट हुआ, उसने अपने को जानवरों की खाल के पीछे छिपा लिया। परमेश्वर जानवरों की खाल के पीछे दया के आसन पर छिपा लिया था। हम यह पाते हैं कि कैसे उस सुलेमान ने, जब उसने प्रभु के मंदिर का समर्पण किया, और यह जानवर की खाले वहां लटक रही थी, वह पर्दा, कैसे वह आग के खम्बे में और बादल की तरह अंदर आया, और वहां पीछे चला गया, और अपने आप को पर्दे में करके बाहर के संसार से छिपा लिया। परन्तु, विश्वास से, इस्राईली जानते थे कि वह वहां पीछे है। वे जानते थे कि वह वहां पर था, चाहे जो भी हो कि मूर्तिपूजक संसार क्या कहता है। वह अविश्वासी से छिपा हुआ

था। लेकिन विश्वासी, विश्वास के द्वारा, जानता है कि वह वहां पीछे था। उनके ऊपर अनुग्रह था। और वह अपने अनुग्रह के स्थान के आसन पर था, जो की एक महान भेद था।

81 आप जानते हैं, पुराने नियम में, उस खाल के पीछे प्रवेश करना मृत्यु थी। अब उसके पीछे से रुकना मृत्यु है। तब उसकी महिमा में प्रवेश करना मृत्यु था। अब उसकी महिमा से अलग रहना मृत्यु है। बिल्कुल समय के चलते, कलवरी पर पर्दे के फट जाने से, जब वह पर्दा फटा, वह पुराना पर्दा, तो ऐसा हुआ। अब उसकी उपस्थिति से अलग रहना ही मृत्यु है। उस समय उसकी उपस्थिति में प्रवेश करना मृत्यु था। समझे? यह पीछे और आगे बदलता रहता है, और आपको अवश्य ही वचन में ढूढ़ना चाहिए कि देखे हम किन दिनो में रह रहे हैं।

82 अब, जब कलवरी पर पर्दा फट गया था, तो दया का आसन साफ–साफ दिखाई पड़ता है। (परन्तु क्या हुआ? वह कलवरी पर लटक हुआ था, लहू कि बूंद–बूंद होकर रिस रहा था।) जैसा कि उन्होंने लहू को हर वर्ष, पवित्र स्थान को शुद्ध करने के लिए लिया औरदया के आसन पर का छिड़काव, वहां, परमेश्वर, अपनी महान सामर्थी बिजली की चमक की शक्ती के साथ, उस पुराने जानवरों के खाल के पर्दे को ऊपर से नीचे की ओर टक फाड़ दिया, और दया का आसन साफ दिखाई पड़ने लगा।

83 परमेश्वर वास्तविक मूल मेमना कलवरी पर लटका हुआ साफ दिखाई दे रहा था, वह वास्तविक दया का आसन, जब परमेश्वर ने स्वयं दाम चुका दिया था; और हम में से एक हो गया, और स्वयं को एक मनुष्य की तरह प्रगट किया, ताकि हमसे परिचित हो जाए, और हम उससे परिचित हो। दया का आसन उस प्रायश्चिता के दिन सारे इस्राईलियो को साफ दिखाई पड़ने लगा था।

84 परन्तु, हाय, उन दिनो की कलीसिया के पूर्वजो के जो रीति–रिवाज थे, अपने रीति–रिवाजों से, सच्चे दया के आसन को लोगो से छिपा दिया। यदि वे पवित्र शास्त्र को जानते, तो हर टुकड़ा चीनी लोगों के कागज के टुकड़े की तरह आ एक साथ जुड़ जाता। पुराने नियम की भविष्यवाणी पूर्ण हो जाती, और वह थी। और यदि उनको पवित्र शास्त्र सिखाया गया होता, तो वे दया के आसन को देख लेते। "जैसे कि मूसा," ने यहां कहा, वह, "आज के दिन तक उन पर पर्दा पड़ा हैं। वह अब भी उनके ह्रदयो पर पड़ा

है।" वे इसे नहीं देखते हैं।

85 परन्तु, वह परमेश्वर था, दुःख उठाते हुए और प्रायश्चिता। वह वास्तविक दया का आसन पूर्ण रूप में खड़ा हुआ दृष्टी गोचर हो रहा था। जैसे कि हमने स्तुती गीत को गाया:

लो! देखो उसे साफ दृश्य में,
वह वहां है, सामर्थी विजेता,
जब से उसने पर्दे को दो भाग में फाड़ा।

86 देखिए, वह दया का आसन आ गया, सभा के लोगो की दृष्टी में साफ लटका हुआ है। परन्तु उनके लिए, जो प्रचलित विचारो की सहमति...

87 अब, पुरुष और स्त्रियो, और इस बेदारी के प्रतिनिधियो, मैं यह बिना पक्षपात के कहना चाहता हूं। परन्तु, आज के विचारो में, उस विचार में जिसमें आज हम यहां उपस्थित हैं, मुझे भय है कि पूर्वजो के रीति रिवाज, कलीसिया के पूर्वजो ने इसे बहुत से लोगों से छिपा लिया है। जब से पवित्र आत्मा इन अंतिम दिनों में आया, जैसी की भविष्यवाणी की गई, और पर्दा फाड़ दिया गया, बहुत से लोग अपने पूर्वजों की रीति–रिवाजों से लगे रहने के यत्न में हैं। और इसी कारण वे इस चरम आनंद, और शांति, और उन बातो को जो आज कलीसिया के पास है नही देख सकते। जब, यह उनके लिए जो विश्वास करते है सीधा साफ दिखाई पड़ता है।

वह वचन को छिपाता है, आज के दिन का प्रतिज्ञा किया हुआ वचन।

88 अब, रीती रिवाजों ने पर्दा बना दिया है। वे कहते हैं कि आश्चर्य कर्म के दिन बीत गए। एक व्यक्ति मुझसे बोला, एक भला, सभ्य, सज्जन पुरुष, ट्यूसान, एरिजोना में, जहां मैं रहता हूं। मेरी रमादा में सभा होनी थी। और हम बिजनेस मेन की बेदारी सभा में बोल रहे थे, जहां पर प्रभु यीशु आकर उपस्थित हुए और महान कार्य किए। और यह मसीही सज्जन पुरुष मेरे पास आया, और कहा... एक कलीसिया का सेवक, बढिया व्यक्ति, और उसने कहा, "भाई ब्रंहम, आप लोगों पर प्रेरित युग को प्रगट करने का यत्न कर रहे हैं," वह बोला, "और जबकी प्रेरित युग समाप्त हो चुका है।"

89 और मैंने कहा, "मेरे भाई, मैं आपसे निवेदन करता हूं, कि पवित्र शास्त्र में मुझे दिखाए कि कब प्रेरित युग समाप्त हुआ।" मैंने कहा, "प्रेरिताई युग पेंटीकोस्टल के दिन से आरंभ हुआ, और यह हुआ... पतरस ने पेंटीकोस्ट के दिन कहा, 'यह प्रतिज्ञा तुम से है, और तुम्हारी सन्तानों से, और उन सब

दूर–दूर के लोगो से, जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा।' यह कब समाप्त हुआ? यदि परमेश्वर अब भी बुला रहा है, तो फिर प्रेरिताई युग का सत्र अभी भी चल रहा है।"

90 और इसलिए यही है जहां लोग बहुत सारे बहुत सारे लोगों को अन्धो के झुण्ड में, अपने पूर्वजो के रीति–रिवाजों के द्वारा मिला रहे है, जैसा कि तब था। और आप यह देखने में असफल होते है कि क्यों यह लोग बहुत ही हर्षो उल्लासित रहते है और इतने उत्साहित हैं। और—और यह बेदारी की सभाए दूसरे लोगों के लिए एक अजीब चीज और ऐसी विचित्र चीज है, इसलिए क्योंकि वे देखते हैं उन्होंने वे बन्धन तोड़ दिए है। वे उन पर्दो से बाहर निकल कर, परमेश्वर की उपस्थिति में आये, जहां वे इस समय की प्रतिज्ञा को प्रगट होते हुए, लोगों के सामने प्रगट होते देख रहे है। वे देखते हैं कि परमेश्वर ने क्या प्रतिज्ञा की।

91 योएल 2:28 में, उसने प्रतिज्ञा की, कि, "इन अन्त के दिनों में लोगों पर अन्तिम वर्षा *उंडेली* जायेगी, इन अन्त के दिनों में।" मैं सोचता हूं ग्रीक शब्द *केनोसिस* है, जिसका अर्थ यह है कि उसने अपने आप को "खाली" कर दिया। इस प्रकार से नही जैसे कि हम कहेंगे कि कोई चीज किसी के अंदर हो, जो कि खाली हो गया हो, परंतु उसने अपने आप को खाली किया।

92 उसने अपना *मुखौटा* बदला। वह —वह उससे बदल कर, जो वह था, वह हो गया जो वह है। उसने कभी भी अपना स्वभाव नहीं बदला। परन्तु पेंटीकोस्ट के दिन, उसने अपने आप को मनुष्य के पुत्र से बदल कर परमेश्वर का पुत्र हो गया। वह आया, लोगों के *साथ* नहीं। वह आया लोगों के *अन्दर,* समझे, वही परमेश्वर, कि अपनी सेवकाई को इस महान युग में आगे ले जाये।

93 उसने बाईबल में भविष्यवाणी की, कि, "एक दिन आयेगा ना तो वह दिन होगा या रात होगी, परन्तु सांझ के समय उजियाला होगा।" अब, सूर्य, भौगोलिक रीति से, पूर्व से उदय और पश्चिम में डूबता है। सारे समय, यह वही सूर्य होता है। अब, जब, पुत्र, एस–ओ–एन अपने आप को प्रतिज्ञा किए हुए वचन में, इस्राईल पर प्रगट करता है, वे पूर्वी लोग।

94 हमारे पास एक धुंधला सा दिन था। सुधारको में हमारे पास पर्याप्त उजियाला था, और आदि–आदि, कि कलीसियाये और संप्रदाय बनाये,

और उनके सदस्य बने और भीतर आकर; और बालकों को चूमें, और व्यस्को के विवाह करे, मृतको को गाडे, और आदि–आदि; और कलीसिया में रहे।

95 परन्तु, सांझ के समय में, "उजियाला होगा," उसने कहा, "सांझ के समय में।" और कोई पवित्र वचन चूक नहीं सकता। और वही पुत्र एस–ओ–एन जिसने स्वयं को उंडेल दिया, *केनोसिस*, उस पेंटीकोस्ट के दिन, सांझ के समय उन्ही बातो को करने की प्रतिज्ञा की। देखा? यह प्रतिज्ञा के अनुसार है।

96 दोनों कागज के टुकड़े पास लाने के लिए। देखिए क्या घटित हो रहा है, और देखिए क्या उसने प्रतिज्ञा की, तब आप देखेंते है कि हम कहां हैं। चीजो को मिला रहा है। आप इस महान और सामर्थी के बेपर्दा होने को देख सकते हैं। रीति रिवाजो ने इन महान चीजो के विरुद्ध में, लोगों को फिर से अंधा कर दिया है, जिनकी भविष्यवाणी की गई थी।

97 मूसा, उस पहाड़ से जो अग्निमय था, जब सामने आया, कितना सुंदर चित्रण है!

98 मूसा वहां मिस्र को चला गया था और कलीसिया के प्राचीनो को बताया कि प्रभु परमेश्वर ने उससे "**मैं हूं**" के नाम में भेंट की थी। वह नाम वर्तमान काल है; ना ही "मैं था; मैं होऊंगा।" परंतु, "**मैं हूं**," सदा एक सा, कल, आज और सर्वदा एक सा है। वह वर्तमान काल है। वह... जो कि इब्रानियों 13:8 से तुलना करता है, "यीशु मसीह कल, आज और सदा तक एक सा है।"

99 वह अब भी भविष्यवाणी किया हुआ वचन है। और, सभा, जो वचन के साथ मेल खाती है, इस दिन का अनुभव। सुधारको के पास यह था, ओह, परन्तु यह दूसरा दिन है। हम देखते है कि हम किन दिनो में रह रहे हैं। जैसा कि वह उन दिनों में नहीं आ सका, जब वह पृथ्वी पर आया, उस—उस प्रकार से जैसे मूसा आया, या कोई और भविष्यद्वक्ता आया; इसकी भविष्यवाणी नहीं की गई थी। और इन अन्त के दिनों में, यह भविष्यवाणी की गई है कि वह इस प्रकार आएगा। वह लूथर की बेदारी के रूप में नहीं आ सकता। वह वैसली की बेदारी के रूप में नहीं आ सकता। यह एक वापस आने का समय है। यह वह समय है कि उसे अवश्य ही मूल सूर्य के उजियाले पर आना चाहिए, उसी मूल।

100 ओह, हम कैसे पवित्र वचन को इसमें, उस पर रख सकते हैं! और तुम धार्मिक ज्ञानियों, तुम संसार के कौन से भाग से हो, तुम जानते हो कि यह सत्य है। यह एक प्रतिज्ञा है। यही वह है जो लोगों को बहुत अनोखा बना देता है। यही वह है जो विचित्र बना देता है, जिनको कि आप कहकर बुलाते हो। यह इसलिए है क्योंकि वे... इस का... पर्दा रीति–रिवाजों पर से खुल गया है, और वे इसे देखते हैं। वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। समझे? यह—यह परमेश्वर की प्रतिज्ञा है, और हम इसके विरोध में नहीं हो सकते, क्योंकि पवित्र वचन असफल नहीं हो सकता। हां। हम पाते हैं कि उसने प्रतिज्ञा की है। कि वह अपने आप को लोगों में उड़ेल देगा। और वह कल, आज और सर्वदा एक सा है।

101 मूसा, जब वह मिस्र में चला गया था उसके पश्चात और उसने यह घोषित किया, तब पिता ने उसका यह संदेश, सीनै पर्वत पर उसी आग के खम्बे में, और पर्वत को अग्निमय करके प्रमाणित किया। क्या हमने उस एक पर ध्यान दिया? कि वो एक जिसके लिए उसने प्रतिज्ञा दी, वह उसे वचन के साथ लेकर आया। उसके पास आज्ञाये थी। और उन आज्ञाओं को पाने के लिए, उसे चाहिए था, उसके पास... आज्ञाएं वचन थी। वचन आज तक कभी लोगों के पास नहीं आया। इसलिए, वचन सदा भविष्यवक्ता के पास आता है, और वह उस समय के लिए भविष्यवक्ता था।

102 जैसे, कि यीशु वचन था। यूहन्ना भविष्यवक्ता था। और यीशु उसके पास पानी में आया, क्योंकि वचन सदा भविष्यवक्ता के पास बिना रुकावट के आता है। देखा? वचन उसके पास आता है।

103 इसलिए, मूसा, वचन उसके पास आया, वे आज्ञाये। और उसके पास वे आज्ञाये थी। अब, क्यों? इससे पहले कि वचन दिया जाता और प्रगट किया जाता, मूसा को अपने मुख पर पर्दा डालना था, क्योंकि वचन पूरी प्रकार से प्रकट नहीं हुआ था। वे जान गए कि कुछ घटित हुआ है, परन्तु वे नहीं जान पाए कि वह क्या था, वह गर्जना और बिजली का चमकना। इतना तक, उन्होंने कहा, "हमसे मूसा बात करे, और परमेश्वर नहीं।"

104 और परमेश्वर ने कहा, "अच्छा, मैं ऐसा करूंगा। अब आगे से, मैं इस प्रकार से प्रगट नहीं होऊंगा। मैं उनके पास भविष्यवक्ता को भेजूंगा। इसलिए वह... मैं अपने भविष्यव्यक्ता के द्वारा बोलूंगा।"

105 अब, यदि मूसा, शारिरिक व्यवस्था के साथ था, (जैसा कि पौलुस ने

दूसरे कुरिन्थियों में, हम पर प्रगट किया है), उसे अपने मुख को स्वाभाविक रूप में छिपाना ही था, तो फिर आत्मिक कितना और अधिक महिमायुक्त होगा और अविश्वासी से छिपा होगा इससे पहले कि वह उन पर प्रकट हो! वह कितना अधिक क्यों ना कहकर बुलाये... मूसा एक विचित्र व्यक्ति था। तो वे आपको और कितना अधिक कहेगे, जिन्होंने वे पर्दे को पार किया है, और आग के खम्बे में चले गए हैं, और आशीष के साथ निकल कर आते है! और अब आप पर्दे में है। लोग इसे नहीं देख सकते। वे इसे नहीं समझ सकते।

106 "यदि स्वाभाविक तेज इतना तेजोमय था, तो दिव्य अलौकिक कितना अधिक तेजोमय होगा! यदि वह स्वाभाविक, जिसका कि अंत हो जाना था, तेजोमय होना था, तो यह कितना तेजोमय होगा, जिसका कि अंत ही नहीं है!"

107 परन्तु, इस पर अब भी, पर्दा पड़ा हुआ है। यह विश्वासियो के लिए पर्दे नहीं है, परन्तु अविश्वासी के लिए पर्दा है। वह इसे नहीं देख सकता। परमेश्वर सदा अपने आप को अविश्वासी से छिपाता है। रीति रिवाज इसे छिपाते हैं। जैसा कि उन्होंने पहले किया था, वे आज भी करते हैं।

108 यह आत्मिक पर्दा है जो अब हमारे पास है, जबकि वहां स्वाभाविक पर्दा था। जो कि भविष्यवक्ता के द्वारा उस लिखे हुए वचन के साथ प्रमाणित हुआ, भविष्यवाणी करने वाले के द्वारा, वो एक जो लिखित वचन के साथ आता है, कि इसे स्पष्ट करे।

109 वे जानते थे कि वचन वहां है, परन्तु वे नहीं जानते थे कि इसका क्या अर्थ है। और मूसा ने इसे स्पष्ट किया। उसने कहा, "आज्ञा *यह* कहती है, और *यही* कारण है।" उसने यह स्पष्ट कर दिया। और इससे पहले कि यह स्पष्ट किया जाए, वह पर्दे में था।

110 और इसी प्रकार, आज भी है यह लोगों के लिए पर्दे के पीछे है, जब तक प्रगट ना किया गया और लोगों को स्पष्ट नहीं किया गया। परमेश्वर, सर्वशक्तिमान परमेश्वर, मानव देह के पर्दे में रहा, वह वचन। ध्यान दें। अब हम पाते हैं कि यह अविश्वासी के लिए छिपा रहा, परन्तु विश्वासी पर प्रगट हुआ।

111 ध्यान दें, मूसा को इस आग के खम्बे में अकेले जाना था। उसके साथ कोई नहीं जा सकता था। वह ऐसा नहीं था कि... यह... यह हमसे क्या

कहता है? कि आप इसमें पेंटीकोस्टल झुण्ड के सदस्य बनकर नहीं आ सकते। समझे? वह कभी भी झुण्ड पर प्रगट नहीं हुआ। उसने यह व्यक्तिगत प्रगट किया। और आज भी इसी प्रकार से है। आप कहते हैं, "मैं एक—एक गिर्जे से सम्बन्धित हूं। मैं—मैं *इससे* सम्बन्ध रखता हूं।" परन्तु इससे काम नहीं चलेगा। समझे?

112 और कोई भी जो पीछे चलकर मूसा की नकल का यत्न करे, तो वह मृत्यु थी। और ऐसा आज भी है, नकल करना आत्मिक मृत्यु है। यही है जो की...

113 आज रात्री, हम संसारिक तुलनाओ के बढ़ावे में आगे बढ़ते जा रहे हैं; कोई इस तरह से करने का यत्न करता है, और भिन्न जीवन जीता है; मदिरा पान कर सकते हैं, धूम्रपान कर सकते हैं, स्त्रियां किसी भी प्रकार रह सकती हैं... जैसे भी चाहे, और संसार की तरह, और घर पर रहकर टेलीविजन देखे और–और संसार की चीजें, और फिर भी अपने को पेंटीकोस्टल कहलाती हैं। वे किसी मूल वस्तू का नाटक करने का यत्न कर रहे हैं। अब तक यह उन पर कभी भी प्रकाट नहीं हुआ। जब यह प्रकट हो जाता है, तो यह तेजस्वी होता है, और जब आप उसमे चलते हैं आप में से कुछ तो निकाल देता है। और आप एक पर्दा बन जाते हैं। यह... यह बस ऐसा नहीं चलेगा। और इसका नाटक करना यह मृत्यु थी।

114 मूसा पर्दे में था; वह लोगों के लिए जीवित वचन था। और आज, लोग जो पर्दे में है, वे भी वही चीज है। "वे लिखित पत्रियां है, जो सब मनुष्यो द्वारा पढ़ी जाती है।" *नई* पत्रियाँ नही; परन्तु वह पत्रियाँ जो लिखी गई, प्रगट हुई है। यह—यह वह है जो आज के लिए वचन और प्रतिज्ञा का विश्वास करते हैं, कि परमेश्वर अपना आत्मा सब लोगो पर उंडेल रहा है, और यही लिखी हुई पत्रियां है। और जब एक व्यक्ति शारीरिक रीति पर इसका नाटक करने का यत्न करता है, तो यह उल्टी प्रतिक्रिया करता है। आपका जीवन दर्शाता है कि आप क्या हैं।

115 एक बार एक लड़का था, जो किसी मुसीबत में फंस गया। वह एक अच्छा लड़का था, परंतु वह—वह न्यायालय में गया। और न्यायाधीश ने कहा, "मैं तुम्हें दोषी पाता हूं। मुझे तुम्हे आजीवन कारावास देना चाहिए।"

116 उसने कहा, "मैं अपना मुकदमा स्वयं लड़ना चाहता हूं।" उसने कहा, "मैं अपने लिखित अभिलेख को देखना चाहता हूं।"

117 उसने कहा, "तुम्हारा कोई अभिलेख नहीं है। तुम्हारा जो भी अभिलेख है तुम्हे दोषी ठहराता है।"

118 और आज भी ऐसा ही है, इसका कारण है कि कलिसिया ने वह उन्नति नहीं कि जो करना चाहिए। यह अभिलेख है। यह तो जीवन है। हमें और भी अधिक समर्पित होना चाहिए। हमें परमेश्वर के प्रत्येक वचन पर विश्वास करना चाहिए। हमें तब तक खोज करनी चाहिए जब तक वचन हमारे लिए वास्तविक ना हो जाए। समझे? समझे? अभिलेख वह है जो हमें भीतर जाने से रोकता है।

119 परन्तु, एक बार, (कि आप इस फन्दे से बाहर निकल जाए), इसी न्यायालय से, लड़के के पास पैसा नहीं था। वह भुगतान नहीं कर सकता था। जुर्माना हजारों डॉलर में था। परन्तु उसका एक बड़ा भाई था जो कि आया और उसके लिए भुगतान कर दिया।

120 अब, हमारे पास बड़ा भाई, यीशु, परमेश्वर का पुत्र है। वह हमारे लिए भुगतान करने के लिए आया, यदि केवल हम इसका विश्वास करेंगे, और उसके साथ पर्दे के भीतर प्रवेश करने योग्य हो जाएगे। जैसे, हमारे उस मूसा के समान। यीशु हमारा आज का मूसा है। मूसा का पर्दा, लोगों के लिए जीवित वचन था। आज, यीशु, लोगों के लिए जीवित वचन है, कि यीशु कलीसिया में है। पवित्र आत्मा, परमेश्वर का पुत्र लोगों में, आज के दिन वचन को प्रतिज्ञा के द्वारा बिल्कुल ठीक प्रकार से प्रकट कर रहा है, बिल्कुल वैसे ही। अब उसी प्रकार से।

121 और याद रखें, मूसा ने यह किया, और इसे प्रगट किया, सारे संसार पर नहीं, परन्तु निकले हुए लोगों पर, केवल एक प्रकार के लोगों पर, वे, वे लोग थे जो निर्गमन में... बाहर निकल आए थे।

122 और आज, पवित्र आत्मा, लोगों के सन्मुख जो यह कहते हैं कि, "दिव्य चंगाई सही नहीं है।" जब मैं परामर्श कर रहा था...

123 उस दिन एक डॉक्टर ने मुझे बुलाया, एक छोटी महिला, ओह, वहां चार या पांच मरीज थे, जो मृत्यु के समीप पड़े हुए थे, जिनको कुछ ही घंटे मिले थे, और पवित्र आत्मा ने उन्हें चंगा कर दिया। डॉक्टर इस पर प्रश्न कर रहा था। उसने कहा, "यह कैसे हो सकता है? क्यों," उसने कहा, "मैं—मैं... यह मेरा मरीज है।"

124 मैंने कहा, "यह था। परन्तु अब यह परमेश्वर का है। यह—यह, यह अब उसका जन है।" समझे?

125 और इसलिए आप यह चीजे देखते हैं, परमेश्वर एक निर्गमन को बुला रहा है, कि शरीर के पर्दे के पीछे से निकल कर आ जाओ जो इसकी नकल करने का यत्न करते है, जो गिर्जो की सदस्यता को लेने का यत्न करते है; ना ही मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, सब एक साथ, परन्तु पेंटीकोस्टल गिर्जे। यह एक व्यक्तिगत मामला है। यह आप और परमेश्वर का है। आपको ही अंदर जाना है, आपके झुंड को नही, आपके गिर्जे को नही, आपके पास्टर को नही, परन्तु यह केवल आप हैं जिसे अंदर प्रवेश करना है।

126 मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दे, मूसा की एक और विशिष्टता, जब वह बाहर आता है। जबकी, वह भविष्यव्यक्ता था एक महान पुरुष होने के नाते, जो कि वह था, जब वह वचन के साथ बाहर आया, लोगों ने देखा कि वह बदल गया था। उसे कुछ तो हुआ था। जब वह उस समय के प्रमाणित वचन के साथ बाहर आया, वह आज्ञाये, वह एक बदला हुआ व्यक्ति था।

127 और इसी प्रकार से, आप भी जब आप मानव देह के पर्दे के पीछे से निकल कर आते हैं जो कि इस प्रकार की सभा पर हंसेगा; वह मनुष्य जो दिव्य चंगाई से ठोकर खाता, और कहता है कि आश्चर्य कर्मो के दिन समाप्त हो गए। आप वहां उस मानव देह के पर्दे से, रीति रिवाज के पर्दे से बाहर निकल आए, और हर कोई जाने जायेगा कि आपको कुछ तो हुआ है।

128 हमारे आदरणीय भाई जिम ब्राउन की तरह। मैं समझता हूं बहुत सारे प्रेस्बिटेरियन यह जानते हैं कि उसे कुछ हुआ था, क्योंकि वह—वह रीति रिवाजो के पर्दे से बाहर निकल आया था। उसने देखा लोगों में कुछ तो है जो कि उसे आकर्षित कर रहा है, और वह पर्दे के पीछे से बाहर निकल आया।

129 ठीक है, आप, जब आप पर्दे के पीछे से निकल आते हैं, तब आप लोगों के सामने पूरी तरह से दृष्टि गोचर होते है, कि वे देख सकते है कि आपको कुछ तो हो गया है। अविश्वासी के लिए, पर्दे के पीछे छिपा हुआ वचन, परन्तु विश्वासी के संपूर्ण दिखने वाला। "यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है।"

130 तो, यह परमेश्वर था। उन दिनों में, परमेश्वर एक मनुष्य में था, उसका

पुत्र, यीशु मसीह। हम यह विश्वास करते हैं। केवल एक भविष्यवक्ता नही, ना ही केवल एक साधारण मनुष्य, साधारण मानव। यह परमेश्वर मसीह में था; परमेश्वर मनुष्य में; परमेश्वर की परीपूर्णता परमेश्वरत्व की पूर्णता, दैहिकता एक मनुष्य में। परमेश्वर एक मनुष्य में!

131 अब यह परमेश्वर लोगों में, परमेश्वरत्व में परमेश्वर की सम्पूर्णता, दैहिकता उसके पूर्ण कलीसिया में, अपने आप को प्रगट कर रहा था, अपने वचन को पूरा कर रहा था।

132 अब, हम पाते हैं, परमेश्वर ने सब युगों में, अपने ऊपर खाल रखी थी। वो, परमेश्वर, पर्दे के पीछे छिपा हुआ था।

133 इससे अभी मुझे एक—एक छोटी सी कहानी याद आयी जो कि नीचे दक्षिण में घटित हुई। और इस प्रकार से वहां एक मसीही परिवार था। और यह इस मसीही परिवार में वे परमेश्वर पर विश्वास करते थे, और उन्होंने—उन्होंने सोचा कि—कि परमेश्वर ने उन्हें सब संकटो से बचा रखा है। और, जो, कि वह करता है। और उनके एक छोटा सा जूनियर लड़का था, एक छोटा लड़का लगभग सात या आठ वर्ष का था। और—और वह संडे स्कूल गया और वह बहुत अच्छा छोटा सा लाडला था। परन्तु वह तूफान में डरता था, विशेषकर जब बिजली चमका करती थी।

134 एक दिन मैंने यह बात एक व्यक्ति को सुनाई थी, जब यह भाग सामने आया तो यह व्यक्ति चंगा हो गया। इसी सेवक ने कहा, "भाई ब्रन्हम, वे आप में से एक ईश्वर को बनाते हैं।"

135 अच्छा, वह एक आलोचक था, इसलिए मैंने सोचा कि मैं ऐसा करूंगा मैं इसे बीच में से थोड़ा तोड़ दूंगा। आप जानते हैं कि किसी को दुःख ना पहुंचे, परन्तु एक प्रकार से... मैंने कहा, "क्या ऐसा होना पवित्र वचन से बहुत अलग है?" समझे? मैंने कहा, "नहीं, ऐसा नहीं है," मैंने कहा, "क्योंकि यीशु ने भविष्यवक्ताओं को 'ईश्वर' कहा है। समझे? यह ठीक बात है, 'परमेश्वर।'"

136 और वे कहते हैं, "अच्छा, तुम लोग परमेश्वर का स्थान लेना चाहते हो।" यह बहुत दूर नहीं है। यह वही है जो है। यह सही बात है। परमेश्वर देह में प्रकट हुआ, जैसे कि उसने प्रतिज्ञा की थी।

137 हम यह पाते है कि यह छोटा परिवार। मैंने उसे यह छोटी सी कहानी सुनाई, और जो कि अभी मेरे मस्तिष्क में आई। कि, एक रात्री तूफान आया,

और माँ ने जूनियर से कहा, कहा, "अब, तुम सीढ़ी से ऊपर जाओ, बेटे, और सो जाओ।"

उसने कहा, "माँ, मैं डरा हुआ हूं," उसने कहा।

"तुम्हे कोई भी चीज हानि नहीं पहुंचाएगी। ऊपर चले जाओ और सो जाओ।"

138 छोटा जूनियर वहां जाकर लेट गया, और खिड़कियों से बिजली चमक रही थी। और वह छोटा बालक इतना डर गया, अपना सिर ओढने में छिपा लिया, और वह अब भी सुन सकता था, उस—उस तड़कने की आवाज़ को या बिजली के चमकने को खिड़कियो से देख सकता था, और—और गर्जन की आवाज सुन सकता था। सो उसने कहा, "माँ!"

और उसने कहा, "जूनियर तुम क्या चाहते हो?"

बोला, "यहाँ ऊपर आकर और मेरे साथ सो जाओ।"

139 इसलिए वह सीढी से एक ऊपर आ गयी, जैसे कोई भी भली सच्ची मां होती है। और वह ऊपर आई, और छोटे जूनियर को अपनी बाहों में लिया। और माँ ने कहा, "जूनियर, मां तुम से कुछ देर के लिए बात करना चाहती है।"

बोला, "ठीक है, मां।"

140 कहा, "अब तुम्हे यह बात अपने मस्तिष्क में रख लेनी चाहिए। हम बराबर कलीसिया जाते हैं। हम बाईबल पढ़ते हैं। हम प्रार्थना करते हैं। हम मसीही परिवार है। हम परमेश्वर में विश्वास करते हैं।" और कहा, "हम विश्वास करते हैं कि तूफानों में और चाहे जो कुछ होता रहे, परमेश्वर हमारी रक्षा है।"

141 उसने कहा, "माँ, मैं इसका पूरी तरह से विश्वास करता हूं। परन्तु," कहा, "जब बिजली बहुत पास चमकती है," उसने कहा, "मैं—मैं परमेश्वर को खाल पहने हुए चाहता हूं।"

142 इसलिए, मैं—मैं सोचता हूं, केवल जूनियर ही नहीं, लेकिन हम सब इसी प्रकार से अनुभव करते हैं। जब हम एक साथ जमा होते हैं, जब हम एक दूसरे के लिए प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर इसमें खाल पहने हुए होता है।

143 और हम यहां पाते हैं कि परमेश्वर सदा अपने पर खाल पहने रहता है। जब मूसा ने उसको देखा, उसने अपने ऊपर खाल पहन रखी थी, वह

एक मनुष्य के समान दिखा। जब परमेश्वर पर्दे के पीछे था, उसने अपने ऊपर खाल डाली हुयी थी। और आज रात्री परमेश्वर, अपनी कलीसिया में, अपनी कलीसिया के पर्दे में खाल पहने हुए है। आज रात्री भी वह वही परमेश्वर है। हम यही पाते हैं।

144 परन्तु अब, जैसा कि कभी भी, खाल का पर्दा जो कि रीति रिवाजों को पकड़े हुए है। वे कभी विश्वास नहीं कर सकते है कि वह परमेश्वर उन्हें वह लोग बना रहा है जो उसकी तरह कार्य करे। समझे? यह इसलिए है क्योंकि परमेश्वर का पर्दा ही उसकी कलीसिया है, खाल में, उस पर खाल है। यह ठीक बात है। कि वह अविश्वासी से छिपा हुआ, और विश्वासियो पर प्रगट हुआ। जी हां, श्रीमान।

145 अब, जब उनके रीति–रिवाज का पर्दा, उनके पूर्वजो के रीति–रिवाजों का पर्दा और वचन, निकल कर आया, ओह, बिल्कुल, आज, तब सामने साफ दृष्टी में आता है, हम उसे देखते हैं, दैविकता फिर से मानवी देह के पर्दे में है। इब्रानियों के 1 में ऐसा कहा गया है।

146 और उत्पत्ति 18 में भी। आपको याद है, परमेश्वर एक मनुष्य था, वहां खड़ा था, खा रहा था, और अब्राहम के साथ बात कर रहा था, और बताया कि सारा तंबू के पीछे क्या कर रही थी।

147 और यीशु ने कहा, "जैसा कि सदोम के दिनों में था, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" दैविकता फिर से मनुष्य देह के पर्दे में है! अब, याद रखें, यीशु ने यह नहीं कहा, "जब परमेश्वर का पुत्र प्रगट होता है।" लूका में 17वां अध्याय, मैं विश्वास करता हूं, और लगभग 20वां, 21वां पद, वही कहीं आस पास में है, उसने कहा, "और जब मनुष्य का पुत्र प्रगट हो रहा होगा।" मनुष्य का पुत्र, फिर से कलीसिया में—में—में है, मनुष्यो में प्रगट हुआ; ना कि परमेश्वर का पुत्र, परन्तु फिर से मनुष्य का पुत्र, अन्त के दिनों में फिर से कलीसिया में है। हम पाते हैं कि उसने यह प्रतिज्ञा परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं में की है।

148 पुराने नियम में हम दूसरी चीज को देखते हैं। यहां निर्गमन में, मेरे पास वचन है। उन पुराने जानवरों की खाले, इसने क्या किया? इसने परमेश्वर की महिमा को लोगों से छिपाया। जानवरों की खाले; यहाँ तक कि लोग भी उसे देख नहीं सकते थे, क्योंकि वह खाल थी जो उसे रोके हुई थी। वह खाल थी... परमेश्वर की महिमा खाल के पीछे थी।

149 और अब परमेश्वर की महिमा आपकी खाल के पीछे है। यह ठीक बात है। और रीती रिवाज इसे नहीं देख सकते। यह पर्दे के अंदर की ओर है, जहां उसका वचन था।

150 पीछे वहां, खाल के पीछे की ओर क्या था, उन पुराने जानवरों की खालो के?

151 जिसमे कि, "कोई सुंदरता नहीं थी कि हम उसको चाहते। और जब वह देहधारी हुआ और हमारे बीच में रहा, अब भी कोई सुंदरता ना थी कि हम उसको चाहते।"

152 और अब आज वही बात है। पुरुष या स्त्री में ऐसा कुछ नहीं है, कि हम जिसकी इच्छा कर सकते हो। परन्तु यह क्या है जो वहां पीछे है। यह वही है। "अच्छा," आप कहते हैं, "मैं जानता हूं कि यह व्यक्ति शराब पीया करता था। वह *ऐसा* किया करता था।" मैं परवाह नहीं करता कि वह क्या किया करता था। उस खाल के पीछे क्या छिपा है? वहां पीछे क्या है, यही है जो गिना जाता है। यही है, लोग अंधे हो गए है। खाल लोगों को अंधा कर देती है। समझे? वे कहते हैं, "मुझे याद है कि जब वह स्त्री किया करती थी।" मैं जानता हूं कि वह क्या किया करती थी, परन्तु अभी के विषय में क्या है? समझे?

153 यदि वह खाले, जो कभी जानवरों पर होती थी, परन्तु अब यह परमेश्वर की महिमा को छिपा रही है, लेकर पीछे रखी हुई है। वह खालें जानवरो पर थी, परन्तु अब यह परमेश्वर की महिमा का घर बनी हुई है।

154 और इसी प्रकार आज रात्री को आपकी खाल भी बदल सकती है, परमेश्वर का निवास स्थान बन सकती है, परमेश्वर मानवता में रह रहा है।

155 देखो। उस पुराने जानवरों की खाल को देखिए, उसके पीछे हम पाते है कि वह था... उसके अंदर की ओर वहां वचन था। और, वचन, वहां भेंट की रोटियां भी थी। वाचा के सन्दूक पर छिड़काव था। और वह क्या था? तेजोमय महिमा वहां अन्दर थी।

156 अब, वचन एक बीज है, और यह तब तक नहीं उग सकता जब तक... सूर्य का उजियाला इस पर ना पड़े। फुट निकलने के लिए सूर्य को उस पर चमकना ही है, ताकि वह उग सके। और यही केवल यही मार्ग है। आप वचन लेते है, समझे, परमेश्वर के वचन को अपने ह्रदय में लीजिए, और तेजोमय महिमा में चले। और जब आप करते हैं, यह भेंट की रोटियां का

मन्ना लाता है, जो कि, केवल अलग किए गए लोगों के लिए है। केवल वही इसको खा सकता है, जिसको इसे खाने की अनुमति है, केवल वह लोग जिन्हें इसकी अनुमति है और इसे जानते हैं। पौलुस ने यहां कहा, "महिमा से महिमा में बदल रहा है।" आप समझे, अन्त में, यह अपने उस पर आता है अपनी मूल महिमा पर वापस आता है।

157 यह भोर की महिमा के बीज के समान है। फूल का बीज, यह भूमी में गिरता है। गेहू का दाना भूमी में गिरता है। पहली चीज क्या है? वह ऊपर आता है, और वह एक छोटा अंकुर होता है। तब यह फुंदनी में जाता है। तब फिर, फुंदनी से, वापस अपने मूल दाने में।

158 ठीक है, यह बिल्कुल वही है जो कलीसिया ने किया है। यह लूथर, से वैसली में आता है, और अब वापस अपने मूल बीज में, वापस अपनी मूल महिमा में, वापस उसी महिमा में जिसमे वह आरंभ में था। वह सूर्य जो पूर्व में उदय हुआ, वही सूर्य उन्ही चीजो को पश्चिम में प्रगट कर रहा है, महिमा से महिमा में बदल रहा है। यह पागान से बदल कर, लूथर में; और लूथर से वैसली में; और वैसली से निकलकर पेंटीकोस्ट में; और निरन्तर आगे बढ़ता गया, महिमा से महिमा में बदलते हुए, छिपा हुआ मन्ना उत्पन्न करता है।

159 और अब उसे वापस लाने के लिए बिल्कुल वैसे ही जैसा वह आरंभ में था, यह परिपक्व होता है, उसकी वही सेवकाई; वही यीशु, वही सामर्थ, वही पवित्र आत्मा। वही एक जो पेंटीकोस्ट के दिन पर नीचे उतरा था, वही पवित्र आत्मा जो आज प्रगट हुआ, महिमा से महिमा तक, फिर महिमा में। अपने मूल बीज पर पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा वापस आता है; उन्हीं चिन्हों के साथ, उन्ही आश्चर्य कर्मो के साथ, वही बपतिस्मा; उसी प्रकार के लोग, उसी प्रकार से व्यवहार कर रहे है, उसी सामर्थ, उसी संवेदना के साथ। यह महिमा से महिमा तक है। और अगला बदलाव, "इस महिमा से बदलकर, उस देह के अंदर जो उसकी अपनी महिमायुक्त देह है, जहां हम उसको देखेंगे।" अब्राहम ने उसी को ही देखा।

160 अब ध्यान दें। हम देखते हैं कि यह किस प्रकार बदला था। कलवरी के बाद से, हम उसकी महिमा में सहभागी होने के लिए आमंत्रित किये गये है। अब, पहला कुरन्थियों 12 में, "हमने उसकी देह में बपतिस्मा लिया। एक ही आत्मा के द्वारा हम सब का बपतिस्मा हुआ।" एक "पानी" के द्वारा

नही। "एक आत्मा, हम सब का बपतिस्मा हुआ।" अब यह ठीक बात है, अब, तब हम उसके भाग बन जाते हैं।

161 मैं आशा है मैं आपको अधिक समय तक नहीं रोकूंगा। [सभा कहती है, "नहीं।"—सम्पा।] देखा? मैं आशा करता हूं मैं नहीं रोकूंगा।

162 परन्तु, यह एक महान सिम्फनी स्वर संगम के समान है जो बजाया जा रहा है, या नाटक की भूमिका को किया जा रहा है।

163 मैं सिम्फनी या नाटक के विषय में अधिक नहीं जानता। परन्तु मैं यह नाटक देख रहा था... मैं *कारमेन* के विषय में बात कर रहा था, जब मेरी पुत्री और वे इसमें थे। और वे—और वे इस स्वर संगम कारमेन को बजा रहे थे, वहां उस *कारमेन* में। वे अभिनय कर रहे थे। संगीत उसी प्रकार की प्रतिक्रिया को दे रहा था—था—था।

164 इसी प्रकार से तब होता है जब आपका पवित्र आत्मा के द्वारा मसीह में बपतिस्मा हो जाता हैं।

165 अब, देखिए, आप में से बहुत से लोगो ने रूसी संगीत रचियता की वह कहानी पढ़ी या सुनी होगी जिसने *पीटर और भेड़िया* की संगीत रचना को किया है। और कैसे उसने प्रतिरूपों और हर चीज का अभिनय किया। और कोई भी जो इस कहानी को जानता है, जो कि संगीत को एक कागज पर पढ़ा जाता है, और उस स्वर के संगम को सुन सकता है, कि कैसे वह नाटक अभिनय कर के खेला गया, क्यों, वे हर स्वर के बदलाव को जानते हैं। वे यहां *इस* कागज पर देख कर, और बदलाव को देखते हैं।

166 परन्तु, अब, क्या होता यदि—यदि रचियता कुछ और लिखता, और हम पाते हैं कि यह अभिनय सही नहीं किया गया है? तब हम पाते हैं कि वहां कुछ तो हुआ है। वहां कुछ तो कमी सी है, जब हम उन्हें देखते हैं। वह जिसने इस संगीत को रचा है, तैयार किया है और लिखा है, और तब स्वर संगम की लय इसे बजा रही है, एक गलत स्वर को देता है। तो वहां कुछ तो गड़बड़ है। संगीत निर्देशक ने गलत संकेत दिया। समझे?

167 और आज यही मामला है, मेरे लूथरन भाइयों, मेरे बैपटिस्ट भाइयों, मेरे पेंटीकोस्टल भाइयों। मेरे सारे विभिन्न नामधारी कलिसियाओं के भाईयो, यही वह बात है। समझे? आप उस स्वर को देने का यत्न करते हैं, जो लूथर के समय में बजा था, या वैसली इसी प्रकार से, जब, वास्तविक, संगीत स्वर का कागज यहां यह दिखाता है कि यह दूसरा समय है। देखा?

समझे? समझे? हम लूथर के उजियाले में नहीं रह सकते; वह एक सुधारक था। हम उसके—उसके भाग की सराहना करते हैं, परन्तु हम उसे बजा चुके। अब हम *यहां* पुस्तक के अन्त में पीछे की ओर है। समझे? हम—हम इसे उस प्रकार से नहीं बजा सकते।

168 अब, केवल एक ही जरिया है कि आप इसे कभी करने के योग्य हो सकते है, मेरे भाइयों, वह यह है। और संसार के भाइयों, और संसार के विभिन्न भागों के, मैं कह सकता हूं, केवल एक ही तरीका है कि उस—उस संगीत निर्देशक को करते हुए देखे। उसे उसी आत्मा में आना पड़ेगा जिसमें वह संगीत का रचियता था, तब वह इसे ले पाता है। और जब वह कलीसिया, वह स्वर मिलान स्वयं, जहाँ संसार इन चिन्हों और आश्चर्यकर्मो को देख रहा है; जब कि वह कलीसिया, और संगीत रचियता, और निर्देशक, सारे रचियता की आत्मा में आ जाते हैं।

169 तब जब वे कहते हैं, "आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए," तो यह सही स्वर नहीं देता।

170 परन्तु जब वह इसके साथ स्वर भाव में आ जाते है, और उसी सही आत्मा में; आप यह कैसे कर सकते हैं जब तक की रचियता की आत्मा नहीं उतर आती? आमीन। तब जब आप कहते हैं, "आश्चर्य कर्मो के दिन कभी समाप्त नहीं हुए है," तो स्वर का मिलान चिल्ला उठता है, "आमीन!" जब हम जोर से कहते हैं, "यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है," तो स्वर का मिलान चिल्ला उठता है, "आमीन!" "यह पवित्र आत्मा तुम पर आने के पश्चात तुम सामर्थ को प्राप्त करोगे।" स्वर संगम चिल्ला उठता है, "आमीन! मैंने इसे पाया है!" तब इसके लिए कोई अनुमान वाली बात नहीं है। सारा स्वर संगम ठीक वचन के साथ मेल खाता है। बस आगे बढ़ता है... [भाई ब्रन्हम ताली बजाते हैं—सम्पा।] ऐसा ही है। ओह! यह शानदार बात है। निर्देशक और रचियता को एक ही आत्मा में होना चाहिए। और इसी प्रकार से संगीतकारों को भी उसी आत्मा में सारे कार्य को करना चाहिए। और संसार आश्चर्य चकित हो रहा है कि क्या घटित हो रहा है।

171 साम्यवाद के विषय में वे बात करते हैं, और इससे उन्होंने मुझे परेशान कर दिया, और यह सारा एकीकरण और सारी बाते, और अलगाव। ओह, अनुग्रह! इस प्रकार की, सारी बेकार की बाते, जब कि प्रभु का आगमन निकट है, कही कुछ तो गलत हो रहा है। मुझे भय है कि निर्देशक लोग...

निर्देशक लोग रचियता की आत्मा से बाहर निकल गए है।

172 जब हम रचियता की आत्मा पाते हैं, परमेश्वर की वह मूल सामर्थ जो कि बाईबल कहती है, "पुराने लोगो ने पवित्र आत्मा की प्रेरणा के द्वारा बाईबल लिखी," आप दोनों चीनी कागज के टुकड़े देखेंगे कि वे पास–पास आएंगे, जिस तरह कि परमेश्वर की बाईबल और विश्वासी पास–पास आएंगे, क्योंकि वे दोनों एक ही आत्मा में हैं। वे दोनों एक ही चीज है। वे एक दूसरे में सही मिलान से जुड़ते हैं। आज हमें क्या चाहिए, निर्देशक, यह ठीक बात है, वचन पर वापस आए, वापस आकर और इसका वैसे ही विश्वास करें जैसे कि कहा गया है। तब आप देखते है कि परमेश्वर, स्वयं। यह पर्दे का उठ जाना है। नाटक वास्तविक बन जाता है।

173 आज, वे कहते हैं, "ठीक है, वह एक ऐतिहासिक परमेश्वर है। हम जानते हैं कि उसने लाल सागर पार किया। उसने *यह* सब किया। और वह आग की उस—उस भट्टी में था, इब्रानी बच्चो के साथ था।" इतिहास का परमेश्वर कितना भला है, क्या वह आज एक सा नहीं है? मनुष्य सदा से परमेश्वर की महिमा करता आया है, कि उसने क्या किया है, सोचते हुए कि वह क्या करेगा, और अज्ञानता में है कि वह क्या कर रहा है। मनुष्य में यही बात है जो वह करता है। और आज भी यही बात है, मेरे भाइयों। आज बिल्कुल वही बात है। ओह, प्रभु!

174 आइये वापस चले और स्वर संगम को सही धुन को बजाएं, जहां संसार के लोग देख सके। यीशु ने कहा, "यदि मैं इस पृथ्वी पर से उठाया जाऊंगा, मैं सब मनुष्यों को अपने पास खींच लूंगा।" और, "वह कल, आज और सर्वदा एक सा है।"

175 निर्देशकों को संगीत कारो के साथ सही आत्मा में आने दे, और रचियता के साथ, सारी चीजे ठीक हो जाएगी। तब हमारे पास इस विषय में अनुमान कार्य ना होगा, तब हम उसके साथ पहचाने जाते हैं। इब्रानियों 13:8 ने कहा, "वह कल, आज और सर्वदा एक सा है।"

176 हम उसके साथ प्रेरितों के काम 2 में पहचाने जाते हैं। हम उनके साथ पहचाने जाते हैं, उसी बपतिस्मे, उन्ही बातो के साथ। वह सब जो वह उस समय पर था और वह सब जो वह है, सब का सब जो वह था और सारा जो वह है, हम हैं। बिल्कुल उसी के समान है।

177 जिस तरह कि यदि मैं सच्चा अमेरीकन होना चाहता हूं, मुझे हर उस चीज

के साथ पहचान बनानी होगी जो वह थी, हर उस चीज में, जो अमेरिका है। मैंने इसके साथ अपनी पहचान बनाना होगा, यदि मैं सच्चा अमेरीकन हूं।

178 यदि मैं सच्चा अमेरीकन हूं, तो मैं प्लेमाऊथ चट्टान पर उतरा हूं। आमीन। मैंने उतरा, यदि मैं एक अमेरीकन हूं। इसी तरह से आप भी है; प्लेमाऊथ चट्टान अपने पूर्वजो के साथ आए। उस प्लेमाऊथ चट्टान पर, जब वे आए, मैं उनके साथ था; इसी प्रकार से आप भी थे, हर कोई।

179 मैं सड़क पर पॉल रेवरे के साथ घोड़े की सवारी पर था, कि लोगो को खतरे से चेतावनी दूं। यह बिल्कुल ठीक बात है।

180 ठीक यहां पर वेली फोर्ज में, मैंने बर्फीले डेलावेयर को पार किया, उन सिपाहियों के झुण्ड के साथ, जिनमें से आधे के पैरो में जूते नहीं थे। मैंने पहले ही जॉर्ज वाशिंगटन के साथ सारी रात प्रार्थना की। मैंने अपने ह्रदय में एक दर्शन को रख कर डेलावेयर को पार किया। हम अमेरीकन हैं। जी हां, श्रीमान। वैली फोर्ज में, मैंने निश्चय ही यह किया।

181 मैंने मूल धन्यवाद देने वाले पूर्वजो के साथ धन्यवाद दिया। मैंने उसके बदले में परमेश्वर का धन्यवाद किया। यदि मैं एक वास्तविक अमेरीकन हूं, तो मैं वहां उनके साथ मेज पर पहचाना गया।

182 यदि मैं वास्तविक अमेरीकन हूं, तो मैं जब स्टोनवेल जैक्सन के साथ खड़ा हुआ तो पहचाना गया था।

183 यदि मैं एक वास्तविक अमेरीकन हूं, तो मैं बोस्टन के जलपान के साथ पहचाना गया था, जी हां, श्रीमान, जब हमने उन चीजों को लेने से अस्वीकार कर दिया था जो हमारी आंखो के सामने रखी गई थी। जब, मैं एक वास्तविक अमेरीकन था। जब मैं वहां उन बातो के साथ पहचाना गया था। जी हां, श्रीमान। ओह, प्रभु!

184 मैंने पहली स्वतंत्रता की घंटी, पहली 4 जुलाई, 1776 में बजायी। मैंने यहां स्वतंत्रता की घंटी बजाई और घोषणा की कि हम स्वतंत्र हैं। एक वास्तविक अमेरीकन होने के लिए, मुझे करना था।

185 मैं उसकी लज्जा के साथ उसके आन्दोलन में पहचाना गया था, जब भाई लोग विरोध में लड़े। मुझे उसकी लज्जा में भी वैसे ही सहभागी होना है, जैसे उसकी महिमा में। यदि मैं एक अमेरीकन हूं, तो मुझे होना ही है। मैं उसके साथ पहचाना गया था। जी हां, श्रीमान।

186 मैं वहां गेटिसबर्ग में पहचाना गया था, जब लिंकन ने अपना भाषण दिया था। जी हां, श्रीमान।

187 मैं वेक आईलैंड में था उन लहूलुहान सिपाहियों के शरीर के संग। मैं वेक आईलैंड में उठ खड़ा हुआ।

गुआम पर, मैंने वह झण्डा फहराने में सहायता की।

188 मैं एक वास्तविक अमेरीकन हूं। आमीन। वह जो कुछ भी है, मैं हूं, और उस पर गर्व करता हूं। जी हाँ, वास्तव में। सारे अमेरीकन वही है, जो वह है, अमेरीकन होने के लिए, मैं अब भी वही हूं। हर चीज जो वह है, मुझे भी होना है, क्योंकि मैं उसके साथ पहचाना गया।

189 एक सच्चा मसीही होने के नाते भी यही बाते है, आपको उसके संग पहचाना जाना ही है।

190 मैंने मूसा के साथ प्रचार किया, और लड़ाई... मतलब नूह के साथ, और लोगो को आने वाले न्याय से चेतावनी दी; एक वास्तविक मसीही होने के लिए।

191 उस जलती हुई झाड़ी के समय मैं मूसा के साथ था, मैंने आग का खम्भा देखा, मैंने उसकी महिमा को देखा, मैं मूसा के साथ वहां जंगल में था। एक मसीही होने के लिए, जो कुछ भी परमेश्वर था मुझे उसके साथ पहचाना जाना चाहिए, एक मसीही होने के लिए। मैंने उसकी महिमा देखी, मैंने उसकी आवाज सुनी। मुझे उसकी व्याख्या करने के लिए दूर करने के लिए यत्न ना करे, क्योंकि मैं वहां था, मैं जानता हूं कि मैं किस विषय में बात कर रहा हूं, मैंने देखा है कि क्या घटित हुआ। जी हां, श्रीमान।

192 मैं लाल समुद्र पर था, जब मैंने परमेश्वर की आत्मा को नीचे उतरते देखा और जल को एक ओर से दो भाग कर दिया; उन सरकंडो के ढेर में से होकर नही, जो कि वह आज कहने का यत्न करते हैं, परन्तु लगभग नब्बे फुट गहरे समुद्र में से होकर। मैंने परमेश्वर के आत्मा को देखा। मैं मूसा के संग उस सूखी भूमी पर से निकला, उस लाल सागर से पार होकर गया।

193 मैं सीनै पर्वत के समीप खड़ा हुआ और गर्जन और बिजली को गिरते देखा। मैंने वहां उनके साथ मन्ना खाया। मैंने उस चट्टान में से पीया। मैं आज रात्री भी वही कर रहा हूं। मैं उन मन्ना खाने वालों के साथ पहचाना गया। मैं उनके संग पहचाना गया था वे जिन्होंने चट्टान से पीया।

194 जब यहोशू तुरही फूंक रहा था तो मैं भी उसके संग पहचाना गया था और यरीहो की दीवार गिर पड़ी।

मैं दानिय्येल के साथ शेरो की मांद में था।

मैं इब्रानी बच्चो के साथ आग की भट्टी में था।

मैं पर्वत पर था... कार्मेल पर्वत पर एलिय्याह के संग था।

195 मैं यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के साथ था, और उन आलोचनाओ के सामने था। मैंने परमेश्वर के आत्मा को उतरते देखा। मैंने परमेश्वर की आवाज को यह कहते सुना, "यह मेरा प्रिय पुत्र है जिसमें मैं वास करने हेतू अति प्रसन्न हूं।" जी हां, श्रीमान। निश्चय ही मैं उसके साथ पहचाना गया था। यह बिल्कुल ठीक बात है।

196 मैं वहां लाजरस की कब्र पर पहचाना गया, जब उसने लाजरस को जिलाया। मैं उस स्त्री के साथ कुएं पर पहचाना गया, जब उसने उसके पाप बता दिए। जी हां, श्रीमान।

197 निश्चय ही मैं उसके साथ उसकी मृत्यु में पहचाना गया। और मैं पहले ईस्टर पर पहचाना गया। मैं उसके साथ मृत्यु से जी उठा। मैं उसके साथ उसकी मृत्यु में पहचाना गया।

198 मैं ऊपर वाली कोठरी में एक सौ बीस के साथ था। मैं वहां उनके संग पहचाना गया था। ओह! मैं—मैं धार्मिक अनुभव कर रहा हूं। ओह, प्रभु! मैं वहां पहचाना गया था। मैं उनमें से एक हूं। मैं पहचाना गया था। मुझे भी वही अनुभव हुआ जो उन्हें हुआ था। जब यह घटित हुआ, तो मैं वहां था, एक सच्चा मसीही होने के लिए। मैंने तेज सनसनाती आंधी के आने की गवाही दी। मैंने उसकी गवाही दी। मैंने परमेश्वर की सामर्थ को अनुभव किया जब उसने इसे हिला दिया। मैं उनके साथ था जिन्होंने अन्य– भाषाए बोली। मैंने अनुभव किया कि अभिषेक वहां आया। मैं उनके साथ था। मैं उनके साथ पहचाना गया जब पवित्र आत्मा ने उनके द्वारा अन्य भाषा में उनके साथ बोलना आरंभ किया।

199 मैं पतरस के साथ, प्रेरितों के काम 2 में उनकी आलोचनाओ के सामने था, जब उसने महान उपदेश को प्रचार किया। मैं उनके साथ पहचाना गया था। जी हां, श्रीमान।

200 प्रेरितों के काम 4 में, जब वे एक साथ एकत्र हुए, मैं उनके साथ था जब इमारत हिलने लगी। प्रार्थना सभा के पश्चात, सारा भवन जहां वे बैठे हुए थे हिल गया। मैं वहां उनके साथ पहचाना गया।

मैंने पौलुस के साथ मार्स हिल में प्रचार किया। जी हां, श्रीमान।

201 मैं यूहन्ना के साथ पतमुस टापू पर था, और उसका दूसरा आगमन देखा।

सुधार में मैं लूथर के साथ था।

202 मैं वेसली के साथ था, उस तेजआग में से; आग में से झपट कर निकाला गया, जब एंग्लिकन गिर्जे के विरुद्ध महान आन्दोलन हुआ। मैं वहां उसके साथ था।

203 और यहां मैं आज रात्री, 1964 में, फिलेडेलफिया, पेनसिल्वेनिया में हूं, उसी प्रकार के झुण्ड के साथ पहचाना गया हूं, उसी प्रकार के अनुभव के साथ। एक मसीह होने के लिए मुझे अवश्य ही होना है। मुझे अवश्य ही वही पहचान में बने रहना चाहिए, जहां परमेश्वर का वचन प्रगट होता है। मैं उस झुण्ड के लोगो के साथ पहचाना गया हूं जिन्होंने परमेश्वर के आत्मा को अनुभव किया है।

204 मैं उस झुण्ड के साथ पहचाना गया हूं जो जानते है कि वह बेपर्दा हो गया, जो जानता है कि वह कल, आज और सदा तक एक सा है, और जानते है कि यह कोई धार्मिक हठ नहीं है। "यह यीशु मसीह कल, आज और सदा तक एक सा है।" आज रात्री मैं उस झुंड के साथ पहचाना गया हूं। फिर भी, वे नास्तिको का झुंड कहलाते है, अब भी एक धार्मिक हठ का झुण्ड, जो परमेश्वर के वचन के कारण है। परन्तु, "मैं यीशु मसीह के सुसमाचार से नहीं लजाता, क्योंकि यह उनके उद्धार के लिए परमेश्वर की सामर्थ है," और मैं एक हूं। मैं उनके साथ हूं जिन जीवित पत्रियों के लिए मैंने बोला, प्रमाणित हुआ, परमेश्वर मानव रूप में पुरुष और स्त्रियो में है, पर्दे में छुपा हुआ है। ओह!

205 परमेश्वर ने फिर से अपने *मुखौटे* को हटा दिया, स्वयं को बेपर्दा किया और अपने आपको अपने लोगों पर प्रगट कर दिया। वह महान राजा जिसने अपनी महिमा को एक ओर रख दिया। "फिर भी थोड़ी देर रह गयी है और संसार मुझे अब और ना देखेगा। मैं उनके लिए पर्दे में हो रहूँगा। परन्तु तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ होऊंगा, जगत के अन्त तक तुम्हारे

अन्दर होऊंगा, लूथर से वैसली में बदल रहा है, इस तरह से आगे बढ़ता जाता है, महिमा से महिमा तक। मैं अब भी वही परमेश्वर हूं जो जीया, और अपनी मूल महिमा की ओर वापस जा रहा हूं।" हाल्लेलुय्या!

206 उसने प्रत्येक नामधारी गिर्जो का पर्दा फाड़ दिया, प्रत्येक आवाज के अवरोध को। वह आवाज जो कहती है, "ओह, यह तो धार्मिक हठ है," उसने उसे पूर्ण रूप से फाड़ दिया। वह आवाज जो वहां से आती है और कहती है, "ओह, वे लोग पागल हैं," उसने ठीक उसे उसमें से होते हुए फाड़ दिया। जी हां, उसने ऐसा किया। "ओह, तुम इसे नहीं कर सकते। तुम लोग कुछ नहीं केवल हठ धर्मियों का झुण्ड हो।" उसने उसमें से होकर फाड़ दिया। "दिव्य चंगाई जैसी कोई चीज नहीं है।" उसने उसमें से होकर फाड़ दिया, ओह, प्रभु, क्योंकि उसके वचन ने कहा कि वह करेगा। आप परमेश्वर के वचन को जीत नहीं सकते।

207 और अब भी आज रात्री वहां वह सामर्थी जीतने वाला खड़ा हुआ है, जब से उसने प्रत्येक मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन, हर प्रकार के पर्दे को फाड डाला। वह आज रात्री भी अपने लोगों में खड़ा है, जो कि रीति–रिवाजों से नही जीत सकते। लोगों को जो वे चाहते हैं कहने दो, जो चाहे करने दो, जो भी वे चाहते हैं। परमेश्वर उस आवाज के अवरोध को तोड़ता हुआ आता है।

208 और याद रखे, वे मुझे बताते है, जब वायूयान वास्तव में उस ध्वनि अवरोध को तोड़ता है, तो उसकी गति की कोई सीमा नहीं होती।

209 और मैं आपको बता रहा हूं, जब आप रीति रिवाजो के अवरोध को तोड़ते हैं, जो यह बताते है कि "यीशु पूर्वकाल में तो था, अब नहीं है," जब कि आप पाते हैं कि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है, तो उसकी कोई सीमा नहीं है कि परमेश्वर ठीक यहाँ इस बेदारी सभाओ में क्या कर सकता है, और इस संसार को दिखा दे कि उनकी क्या आवश्यकता है: ना ही संसार का मेला, परन्तु विश्व बेदारी जो की भर देगी और जीवित परमेश्वर की उपस्थिति से बपतिस्मा देगी, *मुखौटा* बदलते हुए स्वयं को मानव देह के पर्दे में छिपा रहा है। हाल्लेलुय्या! मैं इसे विश्वास करता हूं।

210 इसने प्रत्येक अवरोध को, प्रत्येक पर्दे को तोड़ डाला, हर एक पर्दा! उसकी उपस्थिति को कोई छिपा नहीं सकता। जब लोग अपने हृदयो में भूखे होते हैं, तो वहां एक पर्दा है जो फटने को तैयार है। आप केवल उस

पर निर्भर कर सकते हैं। प्रत्येक पर्दे को उसके महान पवित्र आत्मा के द्वारा फाड़ दीजिए!

211 और यहां आज रात्री, वह सामर्थी जय पाने वाला खड़ा है, कल, आज और सर्वदा एक सा है; बीमारों को चंगा कर रहा है, विश्वासियों को बपतिस्मा दे रहा है, वैसे ही जैसे वह सदा करता आया। वह एक सामर्थी जय पाने वाला है। नाश हुये शैतान भाग रहे हैं। जी हां, श्रीमान। जब वह आसपास होता हैं, तो वे हमेशा भागते है।

212 बंद करते हुए, मैं यह कह सकता हूं। ऐसा था कि... मैंने बहुत वर्षो पहले बूढ़े वायलन वादक के विषय में एक कहानी पढ़ी थी। और उसके पास एक पुराना वायलन था और वह उसे बेचने पर था। आपने बहुत बार यह कहानी सुनी है। और वे इसे किसी बात के लिए बेचना चाहते थे। और नीलामी बोलने वाले ने कहा, "कौन मुझे *इतना –इतना* पैसा देगा? " और मैं सोचता हूं उसके कुछ ही पैसे लगाए गए, हो सकता है पचास सेंट, या ऐसे ही कुछ। "एक बार हुआ, दो बार हुआ... "

213 एकदम से, एक व्यक्ति पीछे से उठा। उसने कहा, "जरा एक मिनट।" और वह चलकर आगे आया और उसे उठा लिया। आईए हम कल्पना करे कि उसने यह बजाया:

वहां एक झरना है जो लहू से भरा है,
जो कि इम्मेनुएल की नसों से निकला है,
जब पापी उस लहू में डूबकी लगाते है,
अपने सारे अपराधो के दाग धो लेते है।

214 तब जब उसने इसे नीचे रखा, तो उस स्थान पर एक भी आंख सूखी ना थी। तब उसने कहा, "कौन कीमत लगाएगा? "

215 एक ने कहा, "पांच हजार।" "दस हजार।" यह अनमोल था। क्यों? उस वायलन के उस—उस बूढ़े उस्ताद ने उसकी सही विशेषता प्रगट कर दी।

216 ओह, भाईयो, बहनो, उस वचन के गुरु को, जिसने इसे लिखा, वह महान पवित्र आत्मा, उसके वायलन के बजाने की कमान को आपके हृदय के आर–पार प्रेम के साथ रगड़े या बजाये।

वहां एक झरना है जो लहू से भरा है,

इम्मेनुएल की नसो से निकला है।

217 आप उसकी पूरी कीमत को देखेंगे, और बेपर्दा हुए परमेश्वर को सामने ठीक साफ दृश्य पर आते देखेगे। कि, वह बिल्कुल वैसा ही है जैसा वह तब था जब पेंटीकोस्ट के दिन पर उतरा, लोगों के ऊपर आया, जब उसने स्वयं को *केनोसिस* याने "खाली किया" ठीक इसके अंदर। यह सही बात है।

218 आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मैंने यत्न किया है। मैंने यत्न किया है। मैंने *यह, वह* या *आदि–आदि* किया है।"

219 एक दिन मेरी एक सभा कार्ल्सबैड, न्यू मैक्सिको में थी। और हम वहां बड़ी चमगादड़ो की गुफा में गए। और यह एक प्रकार से प्रेत ग्रस्त सी दिखाई पड़ती थी, और हम वहां पहुंचे। और जब हम नीचे उस स्थान पर पहुंचे, तो यह—यह व्यक्ति, उसने—उसने बत्ती बुझा दी। और, ओह, आप कल्पना कर सकते हैं कि वहां कितना अंधकार था। वहां... ये इतना अंधेरा था कि आप उसे अनुभव कर सकते थे।

220 और यह लगभग उसी प्रकार से है जिस प्रकार का समय आ रहा है, जब हम देखते है कि कलिसियाये परमेश्वर के वचन को पहचानने में विफल हो जाती है; जब आप देखते है कि हमारी सिय्योन की पुत्रियां उसी प्रकार कर रही हैं जैसा वे करती है; जब आप देखते हैं हमारे भाई जो धूम्रपान और शराब पीते हैं, और—और गंदे चुटकुले सुनाते है और आदि–आदि, और तब भी वह अपने अंगीकार को मसीह में पकड़े रखने का यत्न करते हैं। ओह, परमेश्वर, यह अन्धकार है। यह घोर अन्धकार है।

221 हम उसके आने का चिन्ह देखते हैं। वहाँ यह होगा... दिन निकलने से पहले हमेशा घोर अंधकार होता है। तब भोर का तारा दिन की जय–जयकार करता हुआ आता है, और इसकी घोषणा करने के लिए, और दर्शाने के लिए कि वह आ रहा है। ध्यान दें।

222 वहां पर, जब उन्होंने बत्ती को बुझाया, तो वहां एक छोटी लड़की थी जो कि तब बहुत जोर से चीख उठी। वहां एक छोटा लड़का था जो कि गाईड के पास खड़ा था, और उसने गाईड को देखा जब उसने बत्तियो को इस प्रकार से बुझाया। और वह छोटी बहन बेहोश होने पर थी। वह चीख रही थी, ऊपर–नीचे कूद रही थी। "ओह! अब आगे क्या होने जा रहा है? क्या मामला है? क्या मामला है? "

223 आप जानते हैं कि लड़के ने क्या चिल्लाया? उसने कहा, "छोटी बहन मत डर। यहाँ एक मनुष्य है जो उजियाले को चमका सकता है।"

224 छोटी बहन, सुन तू सोच सकती है कि हम छोटे है और थोड़े ही है। परन्तु, डर मत। यहां एक मनुष्य है जो कि उजियाले को चमका सकता है। वह पवित्र आत्मा है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं?

225 आइए हम कुछ क्षणों के लिए अपने सिरों को झुकाएं। मुझे खेद है कि आपको इतनी देर तक रुकाए रखा है।

226 हे स्वर्ग के महान परमेश्वर, स्वयं का पर्दा उठा रहा है, स्वयं को प्रकट कर रहा हैं, महिमा का वह महान राजा अपने आप को प्रगट कर रहा हैं, आज रात्री इन छोटे–छोटे उदाहरणों को लेकर और उन्हें इन लोगों के ह्रदय के गहराई में बैठ जाने दे। और होने दे कि हम उस एक बेपर्दा हुए को देख सके, वह जो नीचे उतर आया और मंदिर के पर्दे को फाड़ डाला; और तब उस पर्दे से बाहर निकल आया, और पेंटीकोस्ट के दिन पर फिर से मनुष्य के पर्दे में आ गया; सदा एक सा ही बना रहता है, महिमा से महिमा में बदल रहा है।

227 और अब हम फिर से सारी प्रकृति के समान कार्य कर रहे हैं, सीधे वापस फिर से मूल बीज में, ठीक एक कलीसियी काल से दूसरे काल में। और यहाँ इस युग के अन्त में, हम फिर से उसी मूल चीज़ पर है जो कि पेंटीकोस्टल के दिन उंडेली गयी थी, ताकि हर पवित्र वचन को पूरा करे, "सांझ के समय का उजियाला," और, "जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे," और बहुत सी चीजें जिनकी आपने वचन में प्रतिज्ञा की है।

228 पिता, यदि यहां पर कोई ऐसा हो जो अभी तक उस पर्दे को फाड़ कर बाहर ना आया हो, या यदि कोई यहां ऐसा हो जो कि केवल उसकी नकल कर रहा हो, जो पर्दे से बाहर निकल कर आया है, पिता आज रात्री उसे अनुग्रह दे, पिता। होने पाए वे उसे देख सके कि सामर्थी जयवन्त यहां खड़ा हुआ है, अनुग्रह से परिपूर्ण और क्षमा करने में सामर्थी। पिता इसे ग्रहण करे।

229 और जबकि हमारे सिर झुके हुए हैं, क्या कोई यहां पर है? कितने, क्या मैं यह कह सकता हूं, जो कहेंगे, "भाई ब्रन्हम, मैं अपना हाथ उठा रहा हूं। मेरे लिए प्रार्थना करें"? केवल अपने सिर को झुकाए रखें, और अपना हाथ खड़ा करे, "मैं हर पर्दे को फाड़ देना चाहता हूं, जब तक कि मैं उस सामर्थी जय पाने वाले को वास्तव में ना देख लू।" परमेश्वर आपको आशीष

दे। ओह, उन हाथों पर! दायी ओर, ऊपर बालकनी में? परमेश्वर आपको आशीष दे। पीछे बालकनी में? ऊपर उठाये... परमेश्वर आपको आशीष दे। वास्तव में ईमानदार रहे। बाईं ओर? अपना हाथ उठाये, कहिए, "भाई ब्रन्हम, मैं बहुत वर्षों से एक मसीही हो सकता हूं, परन्तु, वास्तव में, मैं उस पर्दे से बाहर नहीं आया। मैंने वास्तव में यह नहीं किया। मेरे पास वो नहीं है जो तब उनके पास था।" आज, हमें मिल... "मैं गर्म ब्यारी में बोया हुआ पौधा हूं।"

230 एक फूल को ले जो सड़ी खाद की क्यारी में बोया गया हो, आपको इसकी देखभाल करनी पड़ेगी, पालना पड़ेगा, छिड़काव करना पड़ेगा, पानी देना पड़ेगा। परन्तु वह मूल पौधा जो वहां रेगिस्तान में उगता है, उसी प्रकार का फूल दिखाई पड़ता है; उसे जरा सा भी पानी नहीं मिलता, परन्तु उस पर कीड़े नहीं आते। वह मजबूत होता है। वह एक वास्तविक है।

231 क्या आप मसीहत की आज की मसीहत के साथ तुलना कर सकते हैं, उससे जो वह पहले थी? क्या आप इस झुण्ड की कल्पना कर सकते हैं, जिसे आज हम सारे संसार में मसीही कहते हैं, उन लोगों के समान जो पेंटीकोस्ट के पश्चात हुए; देखरेख की गयी और पालन पोषण किया गया और एक कलीसिया से दुसरे कलीसिया, और, ऐसा कुछ ख दो जो आपको पसंद नहीं है, और उठकर और बाहर चले जाते है? और, ओह, क्या आप इसकी कल्पना कर सकते हैं? नहीं। क्या मामला है? यह पुनरुत्पादन है।

232 माईकलएंजलो, जिसने मूसा के स्मारक की रचना की, आप उसकी नकल की गई मूर्ति को बहुत कम दाम में प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु, मूल?

233 वह जिसने प्रभु भोज को रंगो में चित्रित किया, मैं समझता हूं कि मूल चित्र लाखों डॉलर का होगा, यदि आप उसे कभी खरीद सके। वह कहां है मुझे तो यह भी नहीं पता। परन्तु आप उसकी नकल के चित्र को कम दामो में लगभग एक डॉलर अठानवे सेंट में खरीद सकते हैं। आप ले सकते है।

234 और आज भी इसी प्रकार से है। एक सस्ता मसीही, एक नकल, केवल एक कलीसिया का सदस्य, आप उन्हें बाहर एक सिगरेट में खरीद सकते है या एक—या एक आम पेय में। या, एक बाल कटी स्त्री, या रंगे होठो के साथ है, आप उस स्त्री को संसार के किसी भी फैशन से खरीद सकते हैं। परन्तु आप एक सच्चे को छू नहीं सकते।

235 मैं उसे स्पष्ट रूप में देख रहा हूं, वो कल, आज और सदा एक सा है।

236 ओह, मसीही, क्या आप एक सच्चे मसीही नहीं होना चाहते हैं? यदि कोई ऐसा हो जिसने अपने हाथो को ना उठाया हो, क्या आप ऐसा करेंगे, जब मैं—मैं प्रार्थना करने जा रहा हूं? परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। ओह, यह कितना अच्छा है। बस इसकी ओर देखना।

237 हमारे स्वर्गीय पिता, "आपका वचन खाली वापस नही आएगा।" आप ही वो एक है जिसने प्रतिज्ञा की थी। मैं तो केवल जो आपने कहा उसे कहने के लिए उत्तरदायी हूं। मैं केवल आपके वचनों को दोहरा रहा हूं। आपने कहा, "वह जो मेरा वचन सुनता है, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनंत जीवन है।" आपने यह प्रतिज्ञा की है।

238 और, प्रभु, हम जानते हैं कि आज हमारे पास वे नकले है, उनमे से बहुत से यह कहते हैं कि उन्होंने विश्वास किया हैं, जबकि, वे नहीं करते हैं। यह दिखाई पड़ता है। परन्तु, प्रभु, इनमे कुछ सच्चे भी है।

239 मैं प्रार्थना करता हूं कि आज रात्री अभी यहां आप प्रदान करेंगे, कि प्रत्येक पुरुष और स्त्री, लड़का या लड़की, इससे कोई मतलब नहीं कि वे किस राष्ट्र के हैं, वे किस रंग के हैं, वे किस कलीसिया से सम्बन्धित हैं, हे परमेश्वर, उन्हें भर दे। होने दे कि वे उसी यीशु का वास्तविक प्रगटीकरण आज ठीक हमारे मध्य में देख सके, जैसा कि वह उस पेंटीकोस्ट के दिन पर था, जब उसने स्वयं को पवित्र आत्मा के रूप में आज के युग के लिए प्रगट किया। इसे प्रदान करें, वचन को पूरा होते हुए देखते है, भविष्यवाणियां पूरी हो रही है!

240 आज हम जो वहां संसार के कलीसिया कहलाते है, उनकी तुलना करते है या विश्व कलीसिया परिषद, और उसकी तुलना पेंटीकोस्ट की प्रतिज्ञा के साथ करते हैं? इसकी आपस में कोई तुलना नहीं है। हम उस टिकट पर अपने गंदे कपड़ो धुलवा कर प्राप्त नहीं कर सकते।

241 परन्तु, प्रभु परमेश्वर, यदि हम उस सोते के पास वापस आ जाएंगे, तो वहां एक सफाई की प्रक्रिया है, तब हमारे अनुभव और परमेश्वर का वचन एक दूसरे से मेल खायेगा। तब, हम अपने अधिकार का दावा कर सकते हैं। प्रभु, इसे प्रदान करें, जैसे की आज रात्री, मैंने इन लोगों को आपके हाथों में सौंप दिया है। पिता जो हमें आवश्यकता है, हम में से प्रत्येक को दे। हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

242 परमेश्वर आपको आशीषित करे। खड़े रहने के लिए धन्यवाद बहुत समय तक प्रतीक्षा करने के लिए। और मुझे खेद है कि दस बजकर दस मिनट तक मैंने आपको रोके रखा। जब तक मैं आपको सुबह ना मिलूं परमेश्वर आपके साथ रहे। अब मैं इस सभा को, मैं समझता हूं, सभा के सभापति को देता हूं।

64–0629 सामर्थी परमेश्वर हमारे सामने बेपर्दा हुआ
बेल्लेव्यु–स्ट्रेटफोर्ड होटल
फिलेडेल्फिया, पेन्सिल्वेनिया यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org